आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 213 | उज्जैन, सोमवार 23 जून 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

वनों का संरक्षण एवं संवर्धन पहली प्राथमिकता-मुख्यमंत्री डॉ. यादव

35 लाख लोगों को मिला आजीविका का साधन डिजिटल हो रहे हैं मध्यप्रदेश के जंगल

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश के वनों के संरक्षण एवं संवर्धन को पहली प्राथमिकता में रखा गया है। वनों को हरा-भरा रखने के लिये अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। अब प्रदेश का वन क्षेत्र बढ़ रहा है और ओपन फारेस्ट कम हो रहा है। मध्यप्रदेश वनों में हर्बल औषधियों का भी खजाना है। वर्ष 2024-25 में वन विभाग 6 करोड़ से अधिक की हर्बल औषधियों की आपूर्ति आयुष विभाग एवं सरकारी संस्थानों को कर चुका है। मध्यप्रदेश प्राकृतिक संसाधनों की प्रचुरता, विशेष वन एवं वन्य

प्राणियों की विविधता के लिये जाना जाता है। यहां वनों के रहने और नदियों के बहने का भी संबंध है। वनों की गोद से निकली सोन, नर्मदा, ताप्ती, चंबल के साथ सिंध, बेतवा, केन, धसान, तवा, क्षिप्रा और कालीसिंध जैसी नदियां जन-जीवन को जीवन दे रही हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि प्रदेश में वनों से निकलने वाले तेन्दूपत्ता से 15 लाख परिवारों की आजीविका चल रही है। इससे 35 लाख लोग जुड़े हुये हैं, जिनमें 15 लाख पुरूष और 20 लाख से अधिक महिलाएं हैं। प्रदेश के वनों से हर वर्ष 12 लाख बोरा से अधिक तेन्दूपत्ता का संग्रहण किया जाता है। प्रदेश सरकार ने तेन्दूपत्ता संग्रहण करने वालों का पारिश्रमिक 3 हजार से बढ़ाकर 4 हजार रूपए प्रति मानक बोरा कर दिया है। वनोपजों के संग्रहण एवं विपणन के अधिकार ग्राम सभाओं को दिये गये हैं। तेन्दूपत्ता का संग्रहण एवं विपणन मध्यप्रदेश राज्य लघु वनोपज व्यापार एवं विकास सहकारी संघ मर्यादित के माध्यम से कराया जाता है। प्रदेश के 20 जिलों की कुल 243 ग्राम सभाओं द्वारा स्वयं सग्रहण एवं विपणन किया जाता है। लघु वनोपज का स्वामित्व ग्राम सभाओं को सौंपा गया है। प्रदेश में लघु वनोपज व्यवसाय से ग्रामीणों को उचित लाभ दिलाने के लिये अनेक नीतिगत निर्णय लिये गये हैं।

ड्रोन माउंटेड एमएमजी छिपे हुए दुश्मनों पर भी बरसाएगी गोलियां, प्रोटोटाइप तैयार

नई दिल्ली (एजेंसी)। आपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान को ब्रह्मोस मिसाइल और ड्रोन से दहलाने वाली भारतीय सेना के पास जल्द ही एक नया ड्रोन माउंटेड हथियार होगा। रक्षा मंत्रालय की तीन पीएसयू को इस हथियारबंद ड्रोन पर अनुसंधान व विकास का काम शुरू कर दिया है। टरूप कम्फर्ट्स लिमिटेड (टीसीएल), एडवांस्ड वेपन्स एंड इक्विपमेंट इंडिया लिमिटेड (एडब्ल्यूईआइएल), म्यूनिशंस इंडिया लिमिटेड (एमआइएल) ने ड्रोन माउंटेड मीडियम मशीन गन (एमएमजी) का प्रोटोटाइप तैयार कर लिया है।

टीसीएल द्वारा तैयार होने वाला ये ड्रोन दुश्मन के इलाके में 40 मिनट तक 10 किमी के दायरे में मशीन गन से 18 सौ मीटर की दूरी तक दुश्मनों पर गोलियां बरसाने में सक्षम होगा। इस ड्रोन में छिपे बैठे दुश्मन की पहचान करने की भी क्षमता होगी। ड्रोन को अत्याधुनिक कैमरे और सेंसर्स से भी युक्त किया जाएगा।

टीसीएल के अधिकारी के मुताबिक अभी तक दुनिया में तुर्किए के साथ आस्ट्रेलिया के पास ही चार सौ मीटर की रेंज में गोलियां बरसाने वाली ड्रोन माउंटेड गन हैं। रक्षा मंत्रालय की पीएसयू उससे चार गुणा से अधिक रेंज की ड्रोन माउंटेड एमएमजी बनाने जा रही हैं।

ऑपरेशन सिंधु के तहत निकाले गए लोगों की कुल संख्या 1117 हुई

नई दिल्ली (एजेंसी)। संघर्ष प्रभावित ईरान में फंसे 290 भारतीयों को लेकर एक और विशेष उड़ान शनिवार रात को नई दिल्ली में सुरक्षित उतरी, जिससे ऑपरेशन सिंधु के तहत निकाले गए लोगों की कुल संख्या 1,117 हो गई। यह चल रहे ऑपरेशन सिंधु के तहत ईरान से निकाले गए भारतीयों का पांचवां जत्था है।

अब तक कुल 1,117 भारतीय नागरिकों निकाला गया- विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि ऑपरेशन सिंधु के तहत 290 भारतीय नागरिक ईरान से एक विशेष फ्लाइट द्वारा सुरक्षित स्वदेश लौट आए हैं, फ्लाइट 21 जून 2025 को 23:30 बजे नई दिल्ली में उतरी। इसके साथ ही अब तक कुल 1,117 भारतीय नागरिकों को ईरान से निकाला जा चुका है।

पीएम नरेंद्र मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति पजशिकयान से फोन पर की बातचीत

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायल-ईरान संघर्ष बेहद खतरनाक मोड़ पर पहुंच चुका है। रविवार सुबह अमेरिका ने ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमले किए। अमेरिका की कार्रवाई के बाद दुनिया में हलचल तेज हो चुकी है। इसी बीच पीएम नरेंद्र मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति पजशिकयान से फोन पर बातचीत की और ईरान-इजरायल संघर्ष पर चिंता जाहिर की है।

पीएम मोदी ने बातचीत की जानकारी देते हुए कहा कि मैंने ईरान के राष्ट्रपति से कूटनीतिक और बातचीत के जरिए किसी भी मुद्दे को सुलझाने की अपील की है।

मैंने तनाव को कम करने के लिए बातचीत की: पीएम मोदी- प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, मैंने ईरान के राष्ट्रपति पजशिकयान के साथ बात की है। हमने क्षेत्र की मौजूदा स्थिति पर विस्तार से चर्चा की और बढ़ते तनाव को लेकर अपनी गहरी चिंता भी जताई है। मैंने तनाव को कम करने के लिए बातचीत और कूटनीतिक को प्राथमिकता देने की अपील की है और क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और स्थिरता की जरूरत पर जोर दिया है। बता दें कि अमेरिका ने फोर्डो, नतांज और इस्फाहान, तीनों परमाणु ठिकानों पर हमले किए। 13 जून के सुबह से इजरायल ने ईरान के खिलाफ मोर्च खोल रखा है। इजरायल और अमेरिका ने मिलकर ईरान को जबरदस्त नुकसान पहुंचाया है।

वंदे भारत ट्रेन में बिना टिकट घुसना 5 लोगों को पड़ा महंगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। बापूधाम रेलवे सुरक्षा बल ने रविवार को गोरखपुर से पाटलिपुत्र जाने वाली गाड़ी संख्या-22502 डाउन वंदे भारत ट्रेन में अनाधिकृत रूप से सफर के रहे एक महिला समेत 5 यात्रियों को हिरासत में लिया है।

पकड़े गए लोगों में इमराज खान, ग्राम पखनहिया थाना पलनवा, संदीप कुमार, ग्राम बोखरवा थाना मंझौलिया पश्चमी चंपारण, जहूर आलम, रजाक मियां और नूरसेना खातून, ग्राम सरैया प्रताप थाना पहाड़पुर जिला पूर्वी चंपारण शामिल है।

दरअसल, वंदेभारत ट्रेन में बापूधाम आरपीएफ पोस्ट के एएसआई राकेश कुमार और जवान स्काट कर रहे थे। जांच के दौरान सभी यात्री अनाधिकृत रूप से ट्रेन में सफर करते हुए पाए गए। उसके बाद स्काट पार्टी ने बापूधाम आरपीएफ पोस्ट को सूचना दी।

सूचना मिलने के बाद पोस्ट कमांडर भरत प्रसाद और टीटीई के सहयोग से सभी अनाधिकृत यात्रियों को बापूधाम मोतिहारी स्टेशन पर उतार लिया गया।

इधर पोस्ट कमांडर भरत ने बताया कि प्रत्येक व्यक्तियों से 1220 रुपये के दर से कुल 6200 रुपये जुर्माना के रूप में वसूल मुक्त कर दिया गया।

पहलगाम हमले में शामिल आतंकियों को पनाह देने वाले दो लोग गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम हमले में राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी को बड़ी कामयाबी मिली है। एजेंसी ने रविवार को पहलगाम हमले में शामिल आतंकियों को पनाह देने वाले दो लोगों को गिरफ्तार किया है। इन दोनों आरोपियों के नाम परवेज अहमद और बशीर अहमद है।

ये दोनों पहलगाम के रहने वाले हैं। जांच एजेंसी ने अपने बयान में जानकारी दी कि पहलगाम के बटकोट के परवेज अहमद जोथर और पहलगाम के हिल पार्क के बशीर अहमद जोथर ने हमले में शामिल 3 आतंकवादियों की पहचान का खुलासा किया है।

ईरान और इजरायल के बीच बढ़ते तनाव से भारत के व्यापार पर गंभीर असर पड़ रहा है

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान और इजरायल के बीच शुरू हुए हालिया तनाव को 10 दिन पूरे हो चुके हैं। दोनों देशों के बीच संघर्ष लगातार बढ़ता जा रहा है, जिसका भारत समेत कई देशों पर बुरा असर हो सकता है। खासकर पश्चिम एशियाई देश ईरान, जॉर्डन, लेबनान, सीरिया और यमन के साथ भारत के व्यापार पर इसका दुष्प्रभाव देखने को मिल सकता है। विशेषज्ञों की मानें तो इजरायल और ईरान के साथ भारत का व्यापार पहले ही प्रभावित हो रहा है। वहीं, ईरान पर अमेरिकी हमला मिडिल-ईस्ट को युद्ध के करीब ले जा सकता है।

क्या है समस्या- मुंबई आधारिक टेक्नोक्राफ्ट इंडस्ट्री के अध्यक्ष शरद कुमार सराफ का कहना है कि इजरायल और हमास युद्ध के कारण पहले से ही भारतीय बाजार मुसीबतों का सामना कर रहे हैं। ईरान का साथ देने वाले यमन के हूती विद्रोही भी काफी एक्टिव हैं, जिससे शिपिंग कंटेनर्स का लाल सागर से होकर गुजरना मुश्किल हो जाता है। कई जहाजों पर हमले के पीछे हूती विद्रोहियों का हाथ होता है। ऐसे में ज्यादातर सामान को केप ऑफ गुड होप (दक्षिण अफ्रीका) के रास्ते भारत लाना पड़ता है।

सराफ के अनुसार, अब ईरान-इजरायल तनाव के कारण होरमुज के रास्ते भारत आना भी मुश्किल हो गया है। इस रास्ते पर तेल के कंटेनर्स की मूवमेंट खतरे में है। ऐसे में तेल लाने के लिए नए रास्ते की तलाश की जा रही है। इससे भारत में कच्चे तेल के साथ-साथ पेट्रोल और डीजल के दामों में भी उछाल देखने को मिल सकता है।

पश्चिम एशिया के साथ व्यापार पर पड़ेगा असर- थिंक टैंक ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव के अनुसार मिडिल ईस्ट में बढ़ता तनाव इराक, जॉर्डन, सीरिया, लेबनान और यमन समेत पश्चिम एशिया के साथ भारत के व्यापार पर बुरा असर डाल सकता है। इन देशों से भारत 33.1 बिलियन डॉलर (2.75 लाख करोड़) का आयात और 8.6 बिलियन डॉलर (74.5 हजार करोड़) का निर्यात करता है।

ईरान से भारत के निर्यात और आयात

ईरान में भारत का निर्यात- 1.24 बिलियन डॉलर (1.07 लाख करोड़ रुपए)

ईरान से भारत के आयात - 441.8 बिलियन डॉलर (38.25 लाख करोड़ रुपए)

भारत और इजरायल के बीच व्यापार

इजरायल में भारत के निर्यात - 2.1 बिलियन डॉलर (1.82 लाख करोड़ रुपए)।

एफएटीएफ की एक नई रिपोर्ट ने फिर खुली पाकिस्तान की पोल

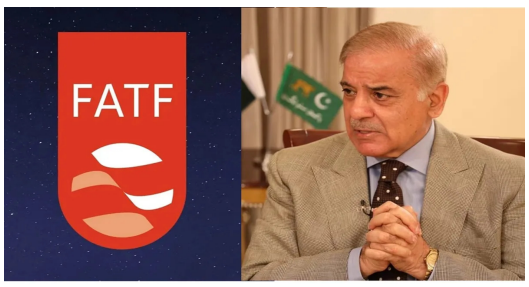

नई दिल्ली (एजेंसी)। फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) की एक नई रिपोर्ट से पाकिस्तान की पोल फिर खुल गई है। एफएटीएफ रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत द्वारा पाकिस्तान जाने वाले व्यापारिक जहाज से जब्त किया गया दोहरे उपयोग वाला उपकरण (जिसका सैन्य और नागरिक दोनों तरह से इस्तेमाल हो सकता है) का संबंध पाकिस्तान की नेशनल डेवलपमेंट काम्प्लेक्स (एनडीसी) से है।

पाकिस्तान की मिसाइल विकास कार्यक्रम में महत्वपूर्ण भूमिका- यह एजेंसी पाकिस्तान के मिसाइल विकास कार्यक्रम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। जांच के दौरान पता चला कि वह मशीन असल में एक ऑटोक्लेव है, जिसका इस्तेमाल मिसाइल निर्माण में होता है।

बहुपक्षीय वित्तीय निगरानी संस्था की रिपोर्ट में मिसाइल विकसित करने में इस्तेमाल होने वाले दोहरे उपयोग वाले उपकरण को भारत द्वारा जब्त किए जाने का उल्लेख किया गया है।

रिपोर्ट में इस मामले को समुद्री और नौवहन क्षेत्रों के दुरुपयोग से संबंधित एक धारा के तहत सूचीबद्ध किया गया है, जिसमें दोहरे उपयोग वाले उपकरणों सहित कई प्रकार की वस्तुओं का परिवहन शामिल है। एफएटीएफ की रिपोर्ट में कहा गया है, वर्ष 2020 में, भारतीय सीमा शुल्क अधिकारियों ने पाकिस्तान जाने वाले जहाज को जब्त कर लिया।

दस्तावेजों में दी गई थी गलत जानकारी- जांच के दौरान, भारतीय अधिकारियों ने पुष्टि की कि दस्तावेज में जहाज पर लदे दोहरे उपयोग वाली वस्तुओं के संबंध में गलत जानकारी दी गई थी। रिपोर्ट में कहा गया है, भारतीय जांचकर्ताओं ने जहाज पर लदी वस्तुओं को ऑटोक्लेव के रूप में प्रमाणित किया है, जिसका उपयोग मिसाइल की मोटर में रासायनिक कोटिंग के लिए किया जाता है। एफएटीएफ ने कहा कि जब्त उपकरण के बिल से आयातक और नेशनल डेवलपमेंट काम्प्लेक्स के बीच संबंध का साक्ष्य मिला है, जो लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलों के विकास में शामिल है। विभिन्न प्राधिकरणों से अनुमोदन के बिना ऑटोक्लेव जैसे उपकरणों का निर्यात कानून का उल्लंघन है।

गुजरात के कांडला बंदरगाह पर जब्त किए थे पाकिस्तान के अवैध सामान- गौरतलब है कि भारत ने तीन फरवरी, 2020 को गुजरात के कांडला बंदरगाह पर व्यापारिक जहाज दा कुई युन से दोहरे उपयोग वाले उपकरण जब्त किए थे। जहाज पाकिस्तान जा रहा था और उस पर लदी एक मशीन को गलत तरीके से इंडस्ट्रियल ड्रायर घोषित किया गया था।

ट्रंप को नोबेल के लिए नामित करने पर पाकिस्तानी बुद्धिजीवियों के निशाने पर आई शहबाज सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित करने के फैसले के बाद पाकिस्तान की शहबाज शरीफ सरकार पाकिस्तानी बुद्धिजीवियों के निशाने पर आ गई है।

गाजा को लेकर ट्रंप पर साधा निशाना- कई पाकिस्तानी कार्यकर्ताओं और लेखकों ने इंटरनेट मीडिया पर पाकिस्तान की आलोचना की और सरकार को गाजा में नरसंहार और इजरायल द्वारा ईरान पर बमबारी को डोनाल्ड ट्रंप के समर्थन की याद दिलाई।

2026 के नोबेल शांति पुरस्कार के लिए डोनाल्ड ट्रंप को नामित करने का पाकिस्तान का फैसला न केवल भू-राजनीतिक विशेषज्ञों, बल्कि पाकिस्तान की जनता और देश के नेताओं के लिए भी एक बड़ा झटका है।

संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान की राजदूत रह चुकी मलीहा लोधी ने सरकार के इस कदम को दुर्भाग्यपूर्ण बताया। उन्होंने ट्वीट किया, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि सरकार नोबेल शांति पुरस्कार के लिए ट्रंप की सिफारिश कर रही है। एक ऐसा व्यक्ति, जिसने गाजा में इजरायल के नरसंहार का समर्थन किया है..। यह कदम पाकिस्तान की जनता के विचारों को नहीं दर्शाता है।

पाकिस्तानी पत्रकार ने ट्रंप को लेकर कही ये बात- पाकिस्तानी पत्रकार और लेखक जाहिद हुसैन ने ट्वीट किया, ट्रंप ने ईरान पर इजरायल के हमले को शानदार कहा है। और पाकिस्तानी सरकार उनको नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित करने जा रही है..पाकिस्तान सरकार का यह कदम बहुत दयनीय है। कई पाकिस्तानी कार्यकर्ताओं ने शहबाज सरकार को कठपुतली शासन बताया और कहा कि इसके पास कोई गरिमा नहीं है।

कार्यकर्ता रिदा रशीद ने ट्वीट किया, साम्राज्य को खुश करने के लिए पाकिस्तान की कठपुतली सरकार ने नोबेल शांति पुरस्कार के लिए ट्रंप की सिफारिश की है। शून्य गरिमा।

किराए पर रहने वाला राज्य है पाकिस्तान- कार्यकर्ता नूर-ए-मरियम कंवर- एक अन्य कार्यकर्ता नूर-ए-मरियम कंवर ने कहा कि पाकिस्तान ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि वह किराए पर रहने वाला राज्य बना रहेगा। सीनेटर अल्लामा राजा नासिर ने पाकिस्तान के कदम को गुमराह करने वाला और नैतिक रूप से खोखला करार दिया।

रडार को चकमा देने से लेकर सटीक हमले तक... ये है अमेरिकी बी-2 बॉम्बर्स की खासियत

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायल और ईरान के बीच छिड़ी जंग में अब अमेरिका भी शामिल हो गया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा करते हुए कहा कि शनिवार (21 जून, 2025) को अमेरिका ने ईरान की न्यूक्लियर साइट्स पर हमला किया। इस हमले में बी-2 स्टील्थ बॉम्बर्स का इस्तेमाल किया गया। हालांकि अमेरिका के राष्ट्रपति ने इस बात की पुष्टि नहीं की बॉम्बर्स का इस्तेमाल किया गया था या नहीं।

उन्होंने ट्रुथ सोशल पर पोस्ट करते हुए कहा, हमने ईरान में तीन परमाणु ठिकानों पर अपना बहुत सफल हमला पूरा कर लिया है, जिसमें फोर्डो, नतांज और इस्फहान शामिल हैं। सभी विमान अब ईरान के हवाई क्षेत्र से बाहर हैं। प्राथमिक स्थल, फोर्डो पर बमों का पूरा पेलोड गिराया गया। सभी विमान सुरक्षित रूप से अपने घर की ओर जा रहे हैं। हमारे महान अमेरिकी योद्धाओं को बधाई। दुनिया में कोई दूसरी सेना नहीं है जो ऐसा कर सकती थी। अब शांति का समय है! इस मामले पर आपका ध्यान देने के लिए धन्यवाद।

अमेरिका का ये घातक एयरक्राफ्ट दो जीबीयू-57 मैसिव ऑर्डेनेंस पेनेट्रेटर (एमओपी) बम ले जा सकता है। इसमें से हर एक का वजन लगभग 30 हजार पाउंड (15 टन) है।

ईरान पर अमेरिका के हमले के बाद से सऊदी अरब हाई सिक्योरिटी अलर्ट पर

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका ने ईरान के 3 परमाणु ठिकानों पर क्ब-2 बॉम्बर से हमला कर तबाह कर दिया है। ये ठिकाने फोर्डो, नतांज और इस्फहान में हैं। ईरान पर अमेरिका की स्ट्राइक के बाद से सऊदी अरब में हाई सिक्योरिटी अलर्ट घोषित किया गया है।

न्यूज एजेंसी रॉयटर्स ने सूत्रों से हवाले से दावा किया है कि ईरान पर अमेरिका के हमले के बाद से सऊदी अरब हाई सिक्योरिटी अलर्ट पर है। हालांकि सऊदी अरब के मीडिया कम्युनिकेशन ऑफिस ने अब तक इस मामले में कोई आधिकारिक कमेंट नहीं किया है। मिडिल ईस्ट में अमेरिकी बेस

अल जजीरा के मुताबिक, मिडिल ईस्ट में अपना प्रभुत्व बनाए रखने के लिए अमेरिका हमेशा से प्रयासरत रहा है। इसी क्रम में उसने मिडिल ईस्ट में करीब 19 जगहों पर परमानेंट और टेंपरेरी मिलिट्री साइट बना रखे हैं। इसमें से 8 परमानेंट बेस हैं, जो बहरीन, इजिप्ट, इराक, जॉर्डन, कुवैत, कतर, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात में हैं।

ईरान को अपने परमाणु हथियार देंगे..., रूस के पूर्व राष्ट्रपति का बड़ा दावा

अमेरिका ने ईरान के 3 परमाणु ठिकानों पर शनिवार की देर रात क्ब-2 बॉम्बर से हमले किए। अमेरिका का दावा है कि उसने फोर्डो, नतांज और इस्फहान में मौजूद न्यूक्लियर साइट तबाह कर दी है, लेकिन ईरान ने कहा कि उसे कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है कि वह सोमवार को मॉस्को में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन से मुलाकात करेंगे। उधर रूस के पूर्व राष्ट्रपति और रूसी सुरक्षा परिषद के उपाध्यक्ष दिमित्री मेदवेदेव ने दावा किया कि कई देश ईरान को सीधे अपने परमाणु हथियार देने के लिए तैयार हैं।

न्यूक्लियर हथियारों का प्रोडक्शन जारी रहेगा- अमेरिकी हमले के बाद मेदवेदेव ने डोनाल्ड ट्रंप पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि शांति का दावा कर सत्ता में आए डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका को मिडिल ईस्ट के युद्ध में धकेल रहे हैं। उन्होंने अमेरिकी हमले पर ही सवाल उठाते हुए कहा कि ऐसा लगता है कि ईरानी साइट को न के बराबर नुकसान पहुंचा है।

मेदवेदेव ने अमेरिका को चुनौती देते हुए कहा कि न्यूक्लियर मैटेरियल का एनरिचमेंट, लेकिन अब हम खुले तौर पर कह सकते हैं कि न्यूक्लियर हथियारों का भविष्य में प्रोडक्शन जारी रहेगा। उन्होंने ये भी दावा किया कि कई देश ईरान को अपने परमाणु हथियार देने के लिए तैयार हैं। हालांकि मेदवेदेव ने ये नहीं बताया कि इन देशों में कौन शामिल है।

पुतिन ने मिलेंगे ईरान के विदेश मंत्री- वहीं ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची इस्लामिक सहयोग संगठन के शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए इस्तांबुल में मौजूद हैं।

ईरान पर अमेरिकी हमले पर पाकिस्तान का बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान पिछले कुछ दिनों से अमेरिका के गुणगान करता नहीं थक रहा था। पाक आर्मी चीफ असीम मुनीर ने व्हाइट हाउस में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ लंच किया। ट्रंप को खुश करने के लिए मुनीर ने उन्हें नोबल शांति पुरस्कार देने की गुहार लगाई। बीते दिन पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भी इसका समर्थन किया। इस दोस्ती को कुछ घंटे ही बीते थे कि पाकिस्तान ने एक बार फिर अपने तेवर बदल दिए। पाकिस्तान ने ईरान पर अमेरिका के हमले की कड़ी निंदी की है। पाकिस्तान ने अपने बयान से साफ कर दिया है कि वो ईरान का ही साथ देगा।

पाकिस्तान ने क्या कहा- अमेरिका ने ईरान के तीन परमाणु ठिकानों को तबाह कर दिया। इस पर पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने बयान जारी किया है।

इससे क्षेत्र में तनाव और अधिक बढ़ सकता है, जिससे हम बेहद चिंतित महसूस कर रहे हैं।

ईरान को रक्षा का अधिकार- पाकिस्तान- बता दें कि पाकिस्तान और ईरान 900 किलोमीटर की सीमा साझा करते हैं। पाकिस्तान ने कहा, अमेरिका ने इस हमले से अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन किया है। संयुक्त राष्ट्र के चार्टर के अनुसार ईरान को अपनी रक्षा करने का पूरा अधिकार है।

पाकिस्तान को सता रही चिंता- पाक विदेश मंत्रालय के अनुसार, ईरान के खिलाफ की जा रही कार्रवाई हिंसा और चिंता को जन्म दे रही है। इससे हम बेहद परेशान हैं। अगर यह तनाव और बढ़ा तो इसके नुकसानदायक परिणाम पूरे क्षेत्र में देखने को मिल सकते हैं। बातचीत का दिया सुझाव

पाकिस्तान ने ईरान, इजरायल और अमेरिका को बातचीत से मसले का हल निकालने का सुझाव दिया है। पाक विदेश मंत्रालय ने कहा, बातचीत और कूटनीति की मदद से इस तनाव का हल निकालने पर जोर दिया जाना चाहिए।

ईरान का इजरायल पर जबरदस्त हमला

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान के तीन न्यूक्लियर ठिकानों पर अमेरिका ने बमवर्षक विमानों से हमला किया। इसके जवाब में ईरान ने इजरायल पर हमला करने के लिए अपनी सबसे बड़ी मिसाइल को चुना, जो भारी पेलोड ले जाने सक्षम है। इन मिसाइल हमलों में कम से कम 11 लोग घायल हुए हैं। ईरान के सरकारी टीवी ने खुर्रमशहर-4 मिसाइल की फाइल फुटेज दिखाई, जिसमें दावा किया गया कि आज के हमले में इसका इस्तेमाल किया गया। ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के मुताबिक, अमेरिकी कार्रवाई के बाद ईरान ने कम से कम 40 मिसाइलें दागीं, जिनमें खोर्रमशहर-4 भी शामिल है। इस मिसाइल की 2,000 किलोमीटर की रेंज है और 1,500 किलोग्राम के वारहेड ले जा सकती है।

किन-किन जगहों पर किया गया हमला- जिन जगहों पर हमले किए गए उनमें एक शॉपिंग सेंटर, एक बैंक और एक सैलून शामिल हैं। इसके अलावा उत्तरी तेल अवीव का एक इलाका भी है, जहां ईरान ने तबाही मचाई है। इन इलाकों में दुकानों को भारी नुकसान पहुंचा है, दरवाजे टूटे पड़े हैं और सड़कों पर कांच बिखरा पड़ा है। एक स्थानीय नागरिक ने बताया कि हमले में उसके मकान की पहली मंजिल तबाह हो गई। हालांकि उसे कोई चोट नहीं आई, क्योंकि वह अपनी मां के घर गया हुआ था।

ईरानी शहर खोर्रमशहर के नाम पर रखा गया मिसाइल का नाम- रिपोर्ट्स की अगर मानें तो मिसाइल का नाम ईरानी शहर खोर्रमशहर के नाम पर रखा गया है, जिसने 1980 के दशक में इराक-ईरान युद्ध के दौरान भारी लड़ाई देखी थी।

ईरान पर अमेरिकी हमले के बाद ओवैसी ने पाक पर कसा तंज

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायल और ईरान के बीच जारी संघर्ष में अब अमेरिका की भी एंट्री हो गई है। भारतीय समयानुसार अमेरिका ने रविवार तड़के ईरान में तीन परमाणु प्रतिष्ठानों पर हमला किया, जिसमें फोर्डो, नतांज और इस्फहान शामिल है।

इस बात की जानकारी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर दी। ईरान पर हुए अमेरिकी हमले की पाकिस्तान ने निंदा की है। इस बीच एआईएमआईएम प्रमुख और हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने पाकिस्तान पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तानियों से पूछा जाना चाहिए कि क्या अब भी वे डोनाल्ड ट्रंप को इस उपलब्धि के लिए नोबल पुरस्कार देने की वकालत करेंगे।

पाकिस्तान ने की ट्रंप को नोबल पुरस्कार देने की सिफारिश- शनिवार को पाकिस्तान ने एक बड़ी घोषणा करते हुए कहा था कि भारत-पाकिस्तान संघर्ष के दौरान अमेरिका ने अहम भूमिका निभाई। इस कारण पाकिस्तान नोबेल शांति पुरस्कार के लिए डोनाल्ड ट्रम्प के नाम की सिफारिश करेगा। पाकिस्तान ने यह भी कहा कि भारत-पाक के बीच अमेरिका का यह हस्तक्षेप एक वास्तविक शांति निर्माता के रूप में ट्रंप की भूमिका का प्रमाण है।

पाकिस्तान ने पलटा पाला- ईरान पर अमेरिका के हवाई हमलों के बाद पाकिस्तान के सुर बदल गए। पाकिस्तान ने तुरंत पलटवार करते हुए कहा कि वह मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव से गंभीर रूप से चिंतित है। पाकिस्तान ने कहा कि यह हमला अंतरराष्ट्रीय कानून के सभी मानदंडों का उल्लंघन करते हैं और ईरान को संयुक्त राष्ट्र चार्टर के तहत खुद की रक्षा करने का वैध अधिकार है।

पूर्व सेना प्रमुख ने डोनाल्ड ट्रंप के संघर्ष विराम के दावों को किया खारिज

नई दिल्ली (एजेंसी)। 1999 के कारगिल युद्ध में भारत की जीत का नेतृत्व करने वाले पूर्व सेना प्रमुख जनरल वीपी मलिक ने भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम कराने के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दावों को खारिज कर दिया।

भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध अमेरिका के राष्ट्रीय हित में नहीं- उन्होंने कहा कि 1971 के बाद से भारत ने किसी मध्यस्थता को स्वीकार नहीं किया है। एक विशेष भेंट में जनरल मलिक ने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध अमेरिका के राष्ट्रीय हित में नहीं है। अमेरिका इसे रोकने के लिए पुरजोर कोशिश करता है। कारगिल युद्ध और मुंबई हमले (26/11) के दौरान अमेरिका ने युद्ध रोकने के लिए दोनों देशों के साथ करीबी कूटनीतिक संवाद बनाए रखा।

कारगिल युद्ध के दौरान जब पाकिस्तान के प्रधानमंत्री वाशिंगटन गए थे- कारगिल युद्ध के दौरान जब पाकिस्तान के प्रधानमंत्री वाशिंगटन गए थे, तब तत्कालीन राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने उन पर नियंत्रण रेखा के भारतीय हिस्से से पाकिस्तानी सैनिकों को वापस बुलाने का दबाव बनाया था।

उत्तर भारत में मानसून की आहट के साथ गर्मी से राहत मिलती नजर आ रही है

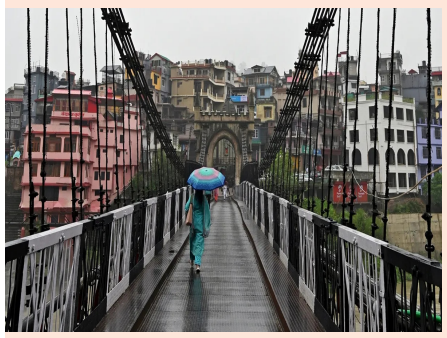

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर भारत में मानसून की आहट के साथ गर्मी से राहत मिलती नजर आ रही है। खासकर एनसीआर में शनिवार शाम को हल्की बारिश हुई। इस कारण अधिकतम तापमान सामान्य से दो डिग्री नीचे 34.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। लगातार बदल रही मौसमी परिस्थितियों के बीच दो दिन के भीतर दिल्ली में मानसून के दस्तक देने की संभावना है।

मौसम विभाग ने रविवार और सोमवार के लिए मध्यम से भारी वर्षा का यलो अलर्ट जारी किया है। उधर उत्तराखंड, हिमाचल और जम्मू में वर्षा होने से राहत के साथ परेशानी का सामना भी करना पड़ा। कुछ स्थानों पर भूस्खलन भी हुआ है।

मौसम विभाग की ओर से रविवार को हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश,उत्तर प्रदेश में भी तेज वर्षा को लेकर अलर्ट जारी किया है। उत्तराखंड के पर्वतीय क्षेत्रों में बीती रात से वर्षा हो रही है। पिथौरागढ़ में चीन सीमा को जोड़ने वाले नवनिर्मित मुनस्यारी-मिलम हाईवे पर चट्टान दरक जाने से अवरुद्ध हो गया है।

अहमदाबाद प्लेन क्रैश की जांच करेगा AAIB

नई दिल्ली (एजेंसी)। 12 जून की दोपहर हुए अहमदाबाद प्लेन क्रैश को 10 दिन से ज्यादा बीत चुके हैं। 270 से ज्यादा लोगों की जान लेने वाले इस विमान हादसे की वजह अभी तक सामने नहीं आई है। प्लेन क्रैश की जांच की जिम्मेदारी एअरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो को सौंपी गई है।

देश में हुए सभी विमान हादसों की जांच AAIB ही करता है। आइए जानते हैं AAIB क्या है और यह एजेंसी प्लेन क्रैश के कारणों का पता कैसे लगाता है?

AAIB का गठन- एअरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो का गठन 2012 में किया गया था। केंद्र सरकार के नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने अंतरराष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन के Annex-13 के तहत AAIB का गठन किया था। दिल्ली के सफदरजंग एअरपोर्ट पर मौजूद उदान भवन में AAIB का मुख्यालय मौजूद है। AAIB का क्या काम करता है?

AAIB सभी तरह के प्लेन हादसों की जांच करता है। इस दौरान AAIB के विशेषज्ञों की टीम हादसे के सबूत जुटाती है और इसपर विस्तार में एक रिपोर्ट तैयार करती है। इस रिपोर्ट में न सिर्फ हादसे की वजह बल्कि भविष्य में हादसों से बचने के सुझाव भी मौजूद रहते हैं। AAIB यह रिपोर्ट DGCA को सौंपता है, जिसके आधार पर DGCA सभी एअरलाइंस के लिए दिशा-निर्देश जारी करता है।

अहमदाबाद प्लेन क्रैश की जांच कैसे करेगा AAIB- AAIB ने अहमदाबाद प्लेन क्रैश की जांच शुरू कर दी है। प्लेन क्रैश के बाद AAIB की टीम ने मौके से ब्लैक बॉक्स बरामद किया। साथ ही कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर और फ्लाइट डाटा रिकॉर्डर भी AAIB के पास है। AAIB इन सभी चीजों को डिकोड करेगा। इसके अलावा प्लेन क्रैश के बाद AAIB मौके पर मौजूद चश्मदीदों के बयान भी इकट्ठा करता है, जिसके आधार पर AAIB पूरी रिपोर्ट तैयार करेगा।

AAIB ने 3 बार की एअर इंडिया के हादसों की जांच- अहमदाबाद प्लेन क्रैश से पहले एअर इंडिया तीन बार विमान हादसों की वजह से AAIB की जांच के घेरे में आ चुकी है।

चेन्नई लौटी लंदन जाने वाली ब्रिटिश एअरवेज की फ्लाइट

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायल और ईरान के बीच चल रही जंग में अब अमेरिका की भी एंट्री हो चुकी है और मिडिल ईस्ट में एअरस्पेस बंद कर दिया गया है। इसकी वजह से लंदन जाने वाली ब्रिटिश एअरवेज की एक फ्लाइट को रविवार (22 जून, 2025) सुबह चेन्नई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर आपातकालीन वापसी करनी पड़ी।

फ्लाइट नंबर बीए276 चेन्नई से सुबह 6 बजकर 24 मिनट पर रवाना हुई, जो अपने निर्धारित समय सुबह 5 बजकर 35 मिनट से लगभग एक घंटा लेट थी। इस फ्लाइट में 247 यात्री और 15 क्रू मेंबर सवार थे। जब ये विमान बेंगलुरु क्रॉस करके अरब सागर के ऊपर था तो पायलट को तत्काल सूचना मिली कि मिडिल ईस्ट में एअरस्पेस के मुख्य हिस्से को बंद कर दिया गया है और इस वजह से लंदन जाने वाला रास्ता अवरुद्ध हो गया है। अधिकारियों ने दिया चेन्नई वापसी का निर्देश

ईरानी ठिकानों पर अमेरिकी हमले के बाद मिडिल ईस्ट के अधिकारियों ने एहतियात के तौर पर नागरिक उड़ानों को रोक दिया। इसका अलर्ट मिलने के बाद फ्लाइट क्रू ने तुरंत चेन्नई और लंदन दोनों एअर ट्रैफिक कंट्रोल सेंटरों पर संपर्क साधा। यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए अधिकारियों ने विमान को चेन्नई लौटने का निर्देश दिया। विमान सुबह करीब 10 बजे चेन्नई इंटरनेशनल एअरपोर्ट पर सुरक्षित उतरा और यात्रियों को उतारा गया।

ब्रिटिश एअरवेज ने जारी किया बयान- ब्रिटिश एयरवेज ने विमान की वापसी की पुष्टि करते हुए एक बयान जारी किया और कहा कि वह आगे की यात्रा के लिए उपलब्ध विकल्पों का आकलन कर रहा है। एअरलाइन ने कहा, ÷यात्रियों की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।÷ साथ ही कहा कि वैकल्पिक मार्गों की पुष्टि होने या प्रभावित हवाई क्षेत्र के फिर से खुलने के बाद आगे की जानकारी साझा की जाएगी। हवाई क्षेत्र बंद होने के कारण चेन्नई से खाड़ी देशों के लिए कई उड़ानें भी डिले हुई। कुवैत, दोहा, दुबई, शारजाह और अबू धाबी जाने वाली उड़ानों में काफी देरी हुई।

भारतीय विज्ञानियों ने पानी से ग्रीन हाइड्रोजन बनाने वाला उपकरण किया विकसित

नई दिल्ली (एजेंसी)। लगातार गर्म होती धरती को बचाने के लिए भारत केवल हवा हवाई बातें नहीं करता बल्कि अपने कदमों से साबित करता है कि भारतीय यूं ही धरती को माता नहीं कहते।

भारत ने न केवल आगे बढ़कर 2070 तक शून्य कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य रखा है बल्कि इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए कई कदम उठा रहा है। इसी सिलसिले में भारतीय विज्ञानियों ने ऐसा उपकरण बनाया है जिससे सौर ऊर्जा का उपयोग करके पानी से ग्रीन हाइड्रोजन बनाया जा सकेगा।

ग्रीन हाइड्रोजन सबसे स्वच्छ ईंधनों में से एक- गौरतलब है कि ग्रीन हाइड्रोजन सबसे स्वच्छ ईंधनों में से एक है, जो उद्योगों को कार्बन उत्सर्जन से मुक्त करने, वाहनों को चलाने और अक्षय ऊर्जा संग्रहीत करने में सक्षम है, किंतु ग्रीन हाइड्रोजन बनाने में काफी फंड की जरूरत होती है।

अब तक ग्रीन हाइड्रोजन बनाने का किफायती उपकरण या तरीका नहीं था। इस उपकरण को विकसित कर भारतीय विज्ञानियों ने एक बार फिर अपनी मेधा का लोहा मनवाया है। साबित किया कि फंड की कमी में भी भारतीय बेहतरीन परिणाम दे सकते हैं।

बेंगलुरु के विज्ञानियों की टीम ने अगली पीढ़ी का यह उपकरण विकसित किया- विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के स्वायत्त संस्थान, सेंटर फार नैनो एंड साफ्ट मैटर साइंसेज (सीईएनएस), बेंगलुरु के विज्ञानियों की टीम ने अगली पीढ़ी का यह उपकरण विकसित किया है, जो जीवाश्म ईंधन या महंगे संसाधनों पर निर्भर किए बिना, केवल सौर ऊर्जा और पृथ्वी पर प्रचुर मात्रा में मौजूद सामग्रियों का उपयोग करके पानी के अणुओं से ग्रीन हाइड्रोजन का उत्पादन करता है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

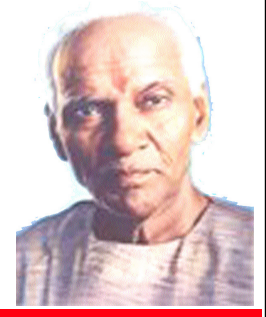

विक्रम संवत 2079 कृष्ण तृयोदशी

संपादकीय

योगगुरु बी.के.एस आयंगर को सबसे बड़ा योग गुरू माना जाता है...

योगगुरु बी.के.एस आयंगर को सबसे बड़ा योग गुरू माना जाता है। लेकिन बी.के.एस आयंगर से लगभग तीन दशक पहले, कोलकाता के एक योग गुरु बिष्णुचरण घोष हुए, जिन्होंने पश्चिमी दुनिया में योग को लोकप्रिय बनाया। बिष्णु चरण घोष, ने योग को लोकप्रिय बनाने के लिए यूरोप से जापान तक दुनिया भर का दौरा किया। वे मुख्य रूप से चिकित्सा के लिए योग उपयोग करते थे। उन्होंने ही लगभग एक सदी पहले दुनिया को बताया था कि असाध्य और पुरानी बीमारियों को ठीक करने के लिए योग एक सशक्त माध्यम है।

भारत में योग की शक्तिदायी परंपरा हजारों साल की है। समय समय पर सिद्ध योगियों ने इस परंपरा को सामान्य लोगों को सहजता से सिखा कर अद्भुत शक्तिशाली बनाने में और लोककल्याण का मार्ग ढूंढने महान योगदान दिया।

आज जिस महायोगी बिष्णु चरण घोष की बात कर रहें है,उनका जन्म लाहौर में 24 जून 1903 को हुआ था। विष्णु चरण घोष, भगवती चरण घोष के आठ बच्चों में सबसे छोटे थे और मुकुंद लाल घोष के भाई थे। मुकुंद लाल घोष आध्यात्मिक जगत में परमहंस योगानंद के नाम से प्रसिद्ध हुए। उनके माता-पिता के गुरु लाहिड़ी महाशय थे , जिन्होंने क्रिया योग सिखाया था ।

1930 के दशक के यूरोप और अमेरिका की कल्पना कीजिए। यह वह समय था जब भारत ब्रिटिश शासन के अधीन था, बंगाल क्रांतिकारी आंदोलनों का केंद्र था। योग का अभ्यास इन दिनों केवल शारीरिक फिटनेस के लिए ही नहीं किया जाता है, बल्कि विभिन्न प्रकार की स्वास्थ्य समस्याओं के लिए भी किया जाता था। भारत की प्राचीन प्रथा विभिन्न बीमारियों के इलाज में सहायक साबित हुई है। 1930 के दशक में, घोष को इस ज्ञान के बारे में पता था। 1923 में, उन्होंने कलकत्ता में शारीरिक शिक्षा कॉलेज की स्थापना की । उनका लेखन भारत में व्यायाम और आधुनिक योग के विकास में महत्वपूर्ण है। उन्होंने 1946 में परमहंस योगानंद के जीवन पर ऑटोबायोग्राफी ऑफ ए योगी लिखी।इस पुस्तक के अध्याय 27 में उस समय के एकीकृत बिहार और झारखंड की राजधानी रांची में योग विद्यालय की स्थापना की कहानी का जिक्र है। पुस्तक में परमहंस योगानंद कहते हैं-युवाओं के लिए सर्वांगीण शिक्षा का आदर्श हमेशा मेरे दिल के करीब रहा है। मैंने केवल शरीर और बुद्धि के विकास के उद्देश्य से साधारण शिक्षा के शुष्क परिणाम स्पष्ट रूप से देखे। नैतिक और आध्यात्मिक मूल्य, के बिना कोई भी मनुष्य सुख प्राप्त नहीं कर सकता है, औपचारिक पाठ्यक्रम में अभी भी कमी थी। मैंने एक ऐसा स्कूल खोजने की ठान ली, जहां युवा लड़के मर्दानगी के पूर्ण कद तक विकसित हो सकें। उस दिशा में मेरा पहला कदम सात बच्चों के साथ बंगाल के एक छोटे से देश दिहिका में था।

एक साल बाद, 1918 में, कासिमबाजार के महाराजा सर मनिन्द्र चंद्र नंदी की उदारता के कारण, मैं अपने तेजी से बढ़ते समूह को रांची स्थानांतरित करने में सक्षम था। कलकत्ता से लगभग दो सौ मील की दूरी पर बिहार का यह शहर, भारत में सबसे स्वस्थ जलवायु वाले शहरों में से एक है। रांची में कासिमबाजार पैलेस को नए स्कूल के मुख्यालय में बदल दिया गया, जिसे मैंने ब्रह्मचर्य विद्यालय कहा।ऋषियों के शैक्षिक आदर्शों के अनुसार। उनके वन आश्रम भारत के युवाओं के लिए, धर्मनिरपेक्ष और दिव्य शिक्षा के प्राचीन स्थान थे। रांची में मैंने व्याकरण और हाई स्कूल ग्रेड दोनों के लिए एक शैक्षिक कार्यक्रम आयोजित किया। इसमें कृषि, औद्योगिक, वाणिज्यिक और शैक्षणिक विषय शामिल थे।

राजेन्द्रनाथ लाहिड़ी

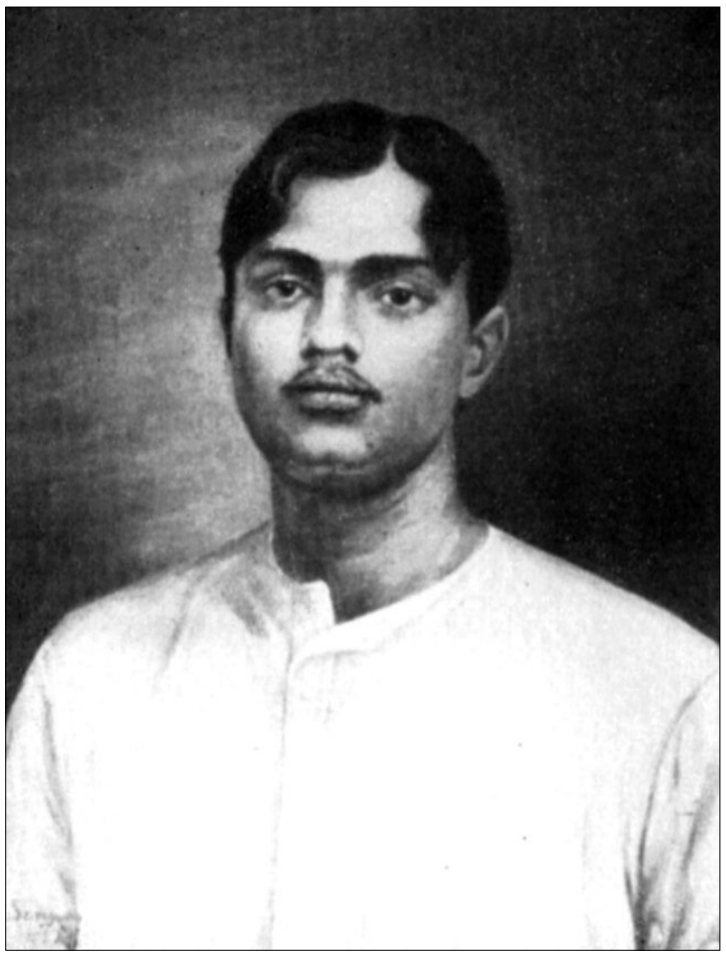

राजेन्द्रनाथ लाहिड़ी भारत के अमर शहीद प्रसिद्ध क्रांतिकारियों में से एक थे। आज़ादी के आन्दोलन को गति देने के लिये धन की तत्काल व्यवस्था की ज़रूरत के मद्देनजर शाहजहाँपुर में हुई बैठक के दौरान रामप्रसाद बिस्मिल ने अंग्रेज़ों का खजाना लूटने की योजना बनायी थी। योजनानुसार दल के प्रमुख सदस्य राजेन्द्रनाथ लाहिड़ी ने 9 अगस्त, 1925 को लखनऊ के काकोरी रेलवे स्टेशन से छूटी आठ डाउन सहारनपुर-लखनऊ पैसेन्जर ट्रेन को चेन खींच कर रोका और क्रान्तिकारी बिस्मिल के नेतृत्व में अशफ़ाक़ उल्ला ख़ाँ, चन्द्रशेखर आज़ाद व छ- अन्य सहयोगियों की मदद से सरकारी खजाना लूट लिया गया। अंग्रेज़ सरकार ने मुकदमा चलाकर राजेन्द्रनाथ लाहिड़ी, रामप्रसाद बिस्मिल, अशफ़ाक उल्ला ख़ाँ आदि को फ़ाँसी की सज़ा सुनाई।

जन्म तथा शिक्षा- राजेन्द्रनाथ लाहिड़ी का जन्म बंगाल के पाबना ज़िले के भड़गा नामक ग्राम में हुआ था। इनके पिता का नाम क्षिति मोहन शर्मा और माता बसंत कुमारी था। बाद के समय में इनका परिवार 1909 ई. में बंगाल से वाराणसी चला आया था, अत- राजेन्द्रनाथ की शिक्षा-दीक्षा वाराणसी से ही हुई। राजेन्द्रनाथ के जन्म के समय पिता क्षिति मोहन लाहिड़ी व बड़े भाई बंगाल में चल रही अनुशीलन दल की गुप्त गतिविधियों में योगदान देने के आरोप में कारावास की सलाखों के पीछे कैद थे। काकोरी काण्ड के दौरान लाहिड़ी काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में इतिहास विषय में एम. ए. प्रथम वर्ष के छात्र थे।

क्रांतिकारियों से सम्पर्क- जिस समय राजेन्द्रनाथ लाहिड़ी एम. ए. में पढ़ रहे थे, तभी उनका संपर्क क्रांतिकारी शचीन्द्रनाथ सान्याल से हुआ। सान्याल बंगाल के क्रांतिकारी युगांतर दल से संबद्ध थे। वहाँ एक दूसरे दल अनुशीलन में वे काम करने लगे। राजेन्द्रनाथ इस संघ की प्रतीय समिति के सदस्य थे। अन्य सदस्यों में रामप्रसाद बिस्मिल भी सम्मिलित थे। काकोरी ट्रेन कांड में जिन क्रांतिकारियों ने प्रत्यक्ष भाग लिया, उनमें राजेन्द्रनाथ भी थे। बाद में वे बम बनाने की शिक्षा प्राप्त करने और बंगाल के क्रांतिकारी दलों से संपर्क बढाने के उद्देश्य से कोलकाता गए। वहाँ दक्षिणेश्वर बम फैक्ट्री कांड में पकड़े गए और इस मामले में दस वर्ष की सज़ा हुई।

काकोरी काण्ड- राजेन्द्रनाथ लाहिड़ी बलिदानी जत्थों की गुप्त बैठकों में बुलाये जाने लगे थे। क्रान्तिकारियों द्वारा चलाए जा रहे आज़ादी के आन्दोलन को गति देने के लिये धन की तत्काल व्यवस्था की ज़रूरत के मद्देनजर शाहजहाँपुर में एक गुप्त बैठक हुई। बैठक के दौरान रामप्रसाद बिस्मिल ने अंग्रेज़ी सरकार का खजाना लूटने की योजना बनायी। इस योजनानुसार दल के ही प्रमुख सदस्य राजेन्द्रनाथ लाहिड़ी ने 9 अगस्त, 1925 को लखनऊ के काकोरी रेलवे स्टेशन से छूटी आठ डाउन सहारनपुर-लखनऊ पैसेन्जर ट्रेन को चेन खींच कर रोका और क्रान्तिकारी पण्डित रामप्रसाद बिस्मिल के नेतृत्व में अशफ़ाक़ उल्ला ख़ाँ, चन्द्रशेखर आज़ाद व छ- अन्य सहयोगियों की मदद से समूची ट्रेन पर धावा बोलते हुए सरकारी खजाना लूट लिया गया।

सज़ा- बाद में अंग्रेज़ी हुकूमत ने उनकी पार्टी हिन्दुस्तान रिपब्लिकन ऐसोसिएशन के कुल 40 क्रान्तिकारियों पर सम्राट के विरुद्ध सशस्त्र युद्ध छेड़ने, सरकारी खजाना लूटने व मुसाफिरों की हत्या करने का मुकदमा चलाया, जिसमें राजेन्द्रनाथ लाहिड़ी, रामप्रसाद बिस्मिल, अशफ़ाक़ उल्ला ख़ाँ तथा ठाकुर रोशन सिंह को मृत्यु दण्ड (फाँसी की सज़ा) सुनायी गयी। इस मुकदमें में 16 अन्य क्रान्तिकारियों को कम से कम चार वर्ष की सज़ा से लेकर अधिकतम काला पानी (आजीवन कारावास) तक का दण्ड दिया गया था। काकोरी काण्ड में लखनऊ की विशेष अदालत ने 6 अप्रैल, 1927 को जलियांवाला बाग़ दिवस पर रामप्रसाद बिस्मिल, राजेन्द्रनाथ लाहिड़ी, रोशन सिंह तथा अशफ़ाक़ उल्ला ख़ाँ को एक साथ फाँसी देने का निर्णय लेते हुए सज़ा सुनाई। सूबेदार से झड़प- काकोरी काण्ड की विशेष अदालत आज के मुख्य डाकघर में लगायी गयी थी। काकोरी काण्ड में संलिप्तता साबित होने पर लाहिड़ी को कलकत्ता (वर्तमान कोलकाता) से लखनऊ लाया गया। बेड़ियों में ही सारे अभियोगी आते-जाते थे। आते-जाते सभी मिलकर गीत गाते। एक दिन अदालत से निकलते समय सभी क्रांतिकारी सरफरोशी की तमन्ना अब हमारे दिल में है, गाने लगे। सूबेदार बरबण्डसिंह ने इन्हे चुप रहने को कहा, लेकिन क्रांतिकारी सामूहिक गीत गाते रहे। बरबण्डसिंह ने सबसे आगे चल रहे राजेन्द्रनाथ लाहिड़ी का गला पकड़ लिया, लाहिड़ी के एक भरपूर तमाचे और साथी क्रांतिकारियों की तन चुकी भुजाओं ने बरबण्डसिंह के होश उड़ा दिए। जज को बाहर आना पड़ा। इसका अभियोग भी पुलिस ने चलाया, परन्तु वापस लेना पड़ा।

लाहिड़ी-जेलर संवाद- राजेन्द्रनाथ लाहिड़ी अध्ययन और व्यायाम में अपना सारा समय व्यतीत करते थे। 6 अप्रैल, 1927 को फाँसी के फैसले के बाद सभी को अलग कर दिया गया, परन्तु लाहिड़ी ने अपनी दिनचर्या में कोई परिवर्तन नहीं किया। जेलर ने पूछा कि- ÷प्रार्थना तो ठीक है, परन्तु अन्तिम समय इतनी भारी कसरत क्यो?÷ राजेन्द्रनाथ लाहिड़ी ने उत्तर दिया- व्यायाम मेरा नित्य का नियम है। मृत्यु के भय से मैं नियम क्यों छोड़ दूँ? दूसरा और महत्वपूर्ण कारण है कि हम पुर्नजन्म में विश्वास रखते हैं। व्यायाम इसलिए किया कि दूसरे जन्म में भी बलिष्ठ शरीर मिले, जो ब्रिटिश साम्राज्य के ख़िलाफ़ युद्ध में काम आ सके।

शहादत- अंग्रेज़ी सरकार ने डर से राजेन्द्रनाथ लाहिड़ी को गोण्डा कारागार भेजकर अन्य क्रांतिकारियों से दो दिन पूर्व ही 17 दिसम्बर, 1927 को फाँसी दे दी। शहीद राजेन्द्रनाथ लाहिड़ी ने हंसते-हंसते फाँसी का फन्दा चूमने के पहले वन्देमातरम की जोरदार हुंकार भरकर जयघोष करते हुए कहा- मैं मर नहीं रहा हूँ, बल्कि स्वतंत्र भारत में पुर्नजन्म लेने जा रहा हूँ। क्रांतिकारी की इस जुनून भरी हुंकार को सुनकर अंग्रेज़ ठिठक गये थे। उन्हें लग गया था कि इस धरती के सपूत उन्हें अब चैन से नहीं जीने देंगे।

चीन- रूस... कहां तक पहुंचेगी ईरान पर अमेरिका के हमले की तबाही

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस समय दुनिया की धड़कने तेज हैं। इसकी वजह ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ता तनाव है। उससे ज्यादा टेंशन बढ़ाने वाला फैक्टर स्ट्रेट ऑफ होरमुज है। यह वही संकरी जलधारा है जहां दुनिया का लगभग 20% तेल सप्लाई होता है। ताजा हालात में जब ईरान ने इस अहम समुद्री मार्ग को बंद करने की धमकी दी है, तब पूरी दुनिया की सांसें थमी हुई हैं।

लेकिन दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक देश भारत इस बार डरा नहीं है। पिछले कुछ सालों में तेल आयात के सोर्स में किए बढ़े रणनीतिक फैसलों ने भारत को मजबूत किया है। अब भारत में तेल का आयात सिर्फ खाड़ी देशों की मेहरबानी पर नहीं टिका है। बल्कि यह रूस, अमेरिका और ब्राजील जैसे देशों से सप्लाई की वैकल्पिक व्यवस्था भी पूरी तरह तैयार है।

तेल के अंतरराष्ट्रीय बाजार में हलचल भले मची हो, लेकिन भारत का एनर्जी के मामले में अपने रोडमैप को आज इतना संतुलित और रणनीतिक कर लिया है कि दुनिया भर की उथल-पुथल के बीच भी वह कह रहा है कि हम तैयार हैं!

स्ट्रेट ऑफ होरमुज: यह इतना अहम क्यों है- यह जलडमरूमध्य फारस की खाड़ी को अरब सागर से जोड़ता है और इसकी चौड़ाई सबसे संकरी जगह पर महज 33 किलोमीटर है। यहां से प्रतिदिन औसतन 20.3 मिलियन बैरल तेल और 290 मिलियन क्यूबिक मीटर एलएनजी का ट्रांसपोर्ट होता है। सऊदी अरब, इराक, यूएई, कुवैत, कतर और ईरान जैसे तेल उत्पादक देशों की आपूर्ति इसी रास्ते से होती है।

भारत पर क्या होगा असर- समाचार एजेंसी पीटीआई ने वैश्विक व्यापार विश्लेषण फर्म Kpler के आंकड़ों के हवाले से बताया कि, भारतीय रिफाइनर जून में 2-2.2 मिलियन बैरल प्रति दिन रूसी कच्चे तेल का आयात करने की तैयारी में हैं, जो पिछले दो वर्षों में सबसे अधिक है। यह मात्रा इराक, सऊदी अरब, यूएई और कुवैत से संयुक्त रूप से आयात किए जा रहे लगभग 2 मिलियन बैरल प्रतिदिन से अधिक है।

मिडिल ईस्ट में तनाव से भारतीय कंपनियों में हाहाकार, नौकरियों पर संकट! सर्वे में खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। मिडिल ईस्ट में युद्ध के बीच भू-राजनीतिक तनाव ने भारतीय कंपनियों को भी प्रभावित किया है। एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि 63 प्रतिशत कंपनियों ने इस परिस्थितियों में या तो भर्तियां रोकने या अपने कर्मचारियों की संख्या में कमी करने का फैसला किया है। स्टाफिंग समाधान और मानव संसाधन सेवा प्रदाता जीनियस कंसल्टेंट्स की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि सर्वे में शामिल 63 प्रतिशत से अधिक कर्मचारियों ने कहा कि उनकी कंपनी या तो भर्ती रोक रही है या अपनी टीम का आकार घटा रही है। वहीं 15 प्रतिशत अन्य ने कहा कि भू-राजनीतिक तनाव बढ़ने के बीच अनुबंध-आधारित या 'फ्रीलांस' भूमिकाओं की ओर स्पष्ट बदलाव देखने को मिल रहा है।

2,006 कर्मचारियों पर आधारित है सर्वे - यह रिपोर्ट 12 मई से छह जून के दौरान देशभर के विभिन्न क्षेत्रों के 2,006 कर्मचारियों के बीच एक ऑनलाइन सर्वेक्षण पर आधारित है। रिपोर्ट से पता चलता है कि सर्वे में शामिल 36 प्रतिशत कर्मचारियों ने कहा कि भू-राजनीतिक अस्थिरता के मद्देनजर उनकी वेतनवृद्धि, बोनस या मूल्यांकन प्रभावित हुआ है। वहीं 21 प्रतिशत से अधिक कर्मचारियों ने कहा कि उनपर कार्य का दबाव बढ़ा है, जबकि 22 प्रतिशत ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार संपर्क या यात्रा बाधित हुई है।

जिया ईको- प्रोडक्ट लिमिटेड ने अपने पुराने शेयर रद्द करने की घोषणा की

नई दिल्ली (एजेंसी)। जिया ईको- प्रोडक्ट लिमिटेड ने अपने पुराने शेयर रद्द करने की घोषणा की है। इसके साथ हीं कंपनी कैपिटल में भी कटौती करेगी। कंपनी के बोर्ड ने इसके लिए 4 जुलाई 2025 को रिकॉर्ड डेट तय की है। यह कार्रवाई NCLT के 11 दिसंबर 2024 के आदेश और मंजूरी के बाद रिजॉल्यूशन योजना के तहत की जा रही है।

क्या होगा मौजूदा शेयरों का- कंपनी के पास अभी 3,00,73,262 इक्विटी शेयर हैं, जिनकी फेस वैल्यू 10 रुपये है। कुल पेड-अप कैपिटल 30.07 करोड़ है। इस पूरी पूंजी को 100त्न रद्द कर दिया जाएगा। साथ ही, कंपनी का मौजूदा ISIN (INE023S01016) निष्क्रिय कर दिया जाएगा।

अब आगे क्या होगा- रिकॉर्ड डेट के बाद, कंपनी अब 10 शेयर्स को मिलाकर 1 शेयर बनएगी। 10 के 10 इक्विटी शेयरों को मिलाकर 100 का 1 नया इक्विटी शेयर बनाया जाएगा। इसके लिए कंपनी का मेमोरेंडम ऑफ एसोसिएशन भी बदला जाएगा। इसके तहत नए प्रमोटर और पब्लिक शेयरहोल्डर्स को नए शेयर मिलेंगे। 1,06,316 इक्विटी शेयर (100 फेस वैल्यू) पर जारी किए जाएंगे। यह शेयर नए प्रमोटर समूह और योग्य सार्वजनिक शेयरधारकों को मिलेंगे। इसमें जिन पब्लिक शेयरहोल्डर्स के शेयर रद्द किए गए हैं, उन्हें नए शेयर दिए जाएंगे। बता दें कि यह पूरी प्रक्रिया नियामकीय/वैधानिक स्वीकृति और स्टॉक एक्सचेंज की इन-प्रिंसिपल मंजूरी के अधीन होगी।

ईरान से जंग के बीच रॉकेट बना इजराइल का स्टॉक मार्केट, ट्रंप के साथ से निवेशकों में खुशी

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान पर अमेरिकी हमले के बाद रविवार को इजराइली शेयरों में बढ़त दर्ज की गई। तेल अवीव 125 इंडेक्स 1% बढ़कर नए लाइफ टाइम हाई पर पहुंच गया। वहीं, ब्लू-चिप TA-35 शुरुआती कारोबार में 1.6% अधिक रहा। पिछले सप्ताह सभी पांच सेशंस के दौरान शेयरों में तेजी रही, जिसमें लगभग 6त्न की बढ़त दर्ज की गई। दरअसल, यह तेजी ईरान के साथ चल रहे युद्ध में अेमरिका द्वारा इजराइल के सपोर्ट में आने के बाद देखी गई है। बता दें कि ईरान के बीच जारी युद्ध में अब अमेरिका भी कूद पड़ा है। ईरान के परमाणु कार्यक्रम को रोकने के मकसद से इजराइल की ओर से शुरू किए गए हमलों को मजबूती प्रदान करते हुए अमेरिका ने रविवार तड़के तीन ईरानी परमाणु केंद्रों पर हमले किए।

क्या है डिटेल- अमेरिका और इजराइल के अधिकारियों ने कहा है कि 'अमेरिकन स्टील्थ बॉम्बर' और 30,000 पाउंड वजनी 'बंकर-बस्टर बम' ने जमीन के अंदर गहरे में स्थापित ईरानी परमाणु केंद्रों को नष्ट कर दिया। 'बंकर-बस्टिंग बम' को 'जीबीयू-57 मैसिव ऑर्डनेंस पेनिट्रेटर' के रूप में जाना जाता है, जिसका इस्तेमाल जमीन के भीतर लक्ष्य को भेदने और विस्फोट में किया जाता है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हमलों की घोषणा की।

शेयर बाजार में अगले सप्ताह 12 कंपनियां अपना IPO पेश करेंगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। शेयर बाजार में अगले सप्ताह 12 कंपनियां अपना IPO पेश करेंगी। ये सभी कंपनियां आईपीओ के जरिए मार्केट से मोटा पैसा उठाएंगे। इसमें कुछ बड़ी कंपनियां भी हैं, जिन पर अधिकतर निवेशकों की नजर रहेगी। इनमें से सबसा बड़ा नाम एचडीबी फाइनेंशियल का है। HDFC बैंक की NBFC कंपनी के आईपीओ पर रिकॉर्डतोड़ बोलियां लग सकती हैं। ये कंपनी छोटे ग्राहकों के बीच अपनी मजबूत पैठ बना चुकी है। ऐसे में बड़े निवेशकों की नजर इसके आईपीओ पर है। ये सभी 12 कंपनियां मिलकर बाजार से 15,800 करोड़ रुपये जुटाएंगी।

अगले हफ्ते आ रहे 12 कंपनियों के आईपीओ ऐसे समय में आ रहे हैं जब इंटरनेशनल लेवल पर जियोपॉलिटिकल टेंशन मची हुई है। ईरान और इजरायल के बीच संघर्ष जारी है। इसका सीधा असर क्रूड ऑयल की कीमतों पर पड़ रहा है जो मार्केट को प्रभावित करता है। इस टेंशन के बीच बजाज ब्रोकिंग रिसर्च ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि मार्केट कंस्ट्रक्टिव बना है।

अगले हफ्ते इन 12 कंपनियों के आईपीओ आएंगे- अगले सप्ताह एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज, कल्पतरु प्रोजेक्ट्स इंटरनेशनल, संभव स्टील ट्यूब्स, एलेनबेरी इंडस्ट्रियल गैसेस, ग्लोब सिविल प्रोजेक्ट्स, एजेंसी ज्वेल मैन्युफैक्चरर्स , श्री हरे-कृष्ण स्पंज आयरन, आइकन फैसिलिटेटर्स, अब्राहम फूड , सनटेक इंफ्रा सॉल्यूशन, ऐस अल्फा टेक और प्रो एफएक्स टेक का IPO आएगा।

HDB Financial Services का IPO सबसे बड़ा- एचडीएफसी बैंक की सहायक कंपनी एचडीबी फाइनेंशियल 2025 का सबसे बड़ा आईपीओ लॉन्च कर रही है। यह 12,500 करोड़ रुपये का है। HDB का IPO 25 जून को ओपन होकर 27 जून तक खुला रहेगा। इसका प्राइस बैंड 700-740 रुपये प्रति शेयर है। इसका GMP फिलहाल 12.30% है।

Kalpataru Projects International IPO की डिटेल- मुंबई बेस्ड रियल एस्टेट कंपनी कल्पतरु प्रोजेक्ट्स का आईपीओ 24 जून से 26 जून तक खुला रहेगा। यह कंपनी 1,590 करोड़ रुपये का आईपीओ लॉन्च करने जा रही है। इसका प्राइस बैंड 387-414 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है।

म्यूचुअल फंड नियमों में बदलाव की तैयारी, निवेशकों के लिए सेबी का ये है प्लान

नई दिल्ली (एजेंसी)। म्यूचुअल फंड से जुड़े निवेशक हैं तो ये खबर आपके काम की है। दरअसल, भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) म्यूचुअल फंड नियमों की व्यापक समीक्षा कर रहा है ताकि उन्हें अधिक निवेशक-केंद्रित और उद्योग-अनुकूल बनाया जा सके। सेबी के कार्यकारी निदेशक मनोज कुमार ने कहा- हम नियामक सहित सभी हितधारकों के लिए कारोबार को आसान बनाने के लिए म्यूचुअल फंड नियामक ढांचे की समीक्षा कर रहे हैं। हितधारकों ने कहा कि इस क्षेत्र को नियंत्रित करने वाले मौजूदा नियम सबसे लंबे हैं और निवेशकों की उभरती जरूरतों और उद्योग के नवाचारों के साथ तालमेल बनाए रखने के लिए सरलीकरण की जरूरत है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

मतांतरण के आरोप में दो महिला समेत छह पर मामला दर्ज

बुरहानपुर/नेपानगर। बच्चों की शिक्षा, मकान बनाने और उपचार के लिए रुपये देने के साथ ही नौकरी का लालच देकर गरीब आदिवासियों का मतांतरण करा उन्हें ईसाई बनाने के आरोप में दो महिलाओं सहित छह लोगों पर केस दर्ज किया गया है। यह मामला नेपानगर थाना क्षेत्र के हैदरपुर गांव का है। विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने एक सूचना के आधार पर शनिवार रात मुख्य आरोपित बलीराम बारेला के घर में दबिश देकर इस गोरखधंधे का भांडाफोड़ किया था। चारों आरोपियों को पुलिस के हवाले किया

मतांतरण के चारों आरोपित पुरुषों को अर्ध नग्न कर पुलिस के हवाले किया था। रविवार को पुलिस ने आरोपित बलीराम बारेला 39 वर्ष, अनीता पत्नी बलीराम 35 वर्ष, विलास पुत्र गासला 52 वर्ष, सायमिंग पुत्र बहला 45 वर्ष, कला बाई पत्नी विलास 48 वर्ष निवासी हैदरपुर और गना पुत्र फासीराम 55 वर्ष निवासी हिवरा के खिलाफ धर्म स्वातंत्रता अधिनियम व मारपीट की धाराओं में केस दर्ज किया है।

नावरा पुलिस चौकी प्रभारी मनीष पटेल ने बताया कि ग्राम हैदरपुर निवासी अनिल पुत्र मुकेश ने सूचना दी थी कि बलीराम के घर कुछ लोगों का मतांतरण किया जा रहा है। अनिल ने बताया कि पिछले कुछ समय से आरोपित गांवों और फालियों में घूमकर ईसाई धर्म का प्रचार-प्रसार कर रहे थे। उसकी पत्नी राधा की तबीयत कुछ समय से खराब चल रही है। शनिवार रात बलीराम व उसकी पत्नी अनीता घर आए और कहने लगे वे मंत्रों से उसका इलाज कर ठीक कर देंगे।

बहकावे में आकर वह बुआ के लड़के रेवसिंग और मित्र रवीन्द्र के साथ पत्नी राधा को लेकर बलीराम के घर पहुंच गया। जहां पहले से ही विलास, मायनिंग, गना व कला बाई मौजूद थे। सभी ने उसे और उसकी पत्नी को हिन्दू धर्म छोड़कर ईसाई धर्म अपनाने के लिए कहा। साथ ही मतांतरण के बाद मिशनरी की ओर से परिवार को हर महीने रुपये देने, मकान बनाने और बच्चों की पढ़ाई के लिए फीस माफ करने का लालच दिया।

अनिल ने बताया कि आरोपित पाम की किताब से मंत्र पढ़ कर पत्नी का इलाज कर रहे थे। कोई फायदा नहीं होता देख वह उसने पत्नी को घर ले जाने के लिए कहा। साथ ही मतांतरण का आरोप लगाया। जिससे बलीराम सहित अन्य आरोपित भड़क गए और उसके साथ झूमा झटकी व मारपीट शुरू कर दी। रेवसिंग और रवीन्द्र बीच बचाव करने आए तो उन्हें भी पीट दिया। किसी तरह वह जान बच्चा कर वहां से निकला था। रविवार सुबह घटना की जानकारी हरसिंग, राजपाल राठौर व अन्य साथियों को देकर नावरा चौकी में रिपोर्ट दर्ज कराई।

कुछ लोगों द्वारा ईसाई धर्म अपनाने की बात को लेकर ग्रामीणों से मारपीट की शिकायत की गई थी। धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया है। जांच की जा रही है

- ज्ञानू जायसवाल, थाना प्रभारी नेपानगर

मां-बेटी को वाहन से रौंदने के मामले में BJP पार्षद का बेटा गिरफ्तार

ग्वालियर। शहर के मोतीझील रोड पर शुक्रवार शाम हुए दर्दनाक हादसे में भाजपा पार्षद रेखा चंदन राय का बेटा हर्ष राय दोषी पाया गया है। इस हादसे में गौराबाई कुशवाह और उनकी बेटी गौरी की मौके पर ही मौत हो गई थी। हादसे के बाद आरोपी ने पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की, लेकिन जांच में सच्चाई सामने आ गई।दोस्त ने की आरोपी को बचाने की कोशिश हर्ष राय महिंद्रा थार से अपने हमनाम दोस्त के साथ सवार था। घटना के बाद पुलिस को गुमराह करते हुए वह फोन पर कहता रहा कि उसकी गाड़ी वह नहीं चला रहा था। उसका दोस्त हर्ष राय गाड़ी लेकर गया था। उसके दोस्त ने भी उसका साथ देते हुए खुद को दोषी बताया।

हालांकि, पुलिस ने दोनों के बयान अलग-अलग दर्ज किए। घटनास्थल के आसपास के डिजिटल साक्ष्यों (सीसीटीवी, मोबाइल लोकेशन) का मिलान किया, तो कहानी में विरोधाभास सामने आया। सबूतों के सामने आने पर हर्ष राय ने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया।

पुलिस ने आरोपी दोस्त पर दर्ज किया मामला उसके हमनाम दोस्त पर साक्ष्य से छेड़छाड़ और आपराधिक षड्यंत्र का मामला दर्ज किया गया है। जांच में यह भी सामने आया कि थार भाजपा पार्षद रेखा राय के नाम पर रजिस्टर्ड है। पुलिस ने साक्ष्यों के आधार पर शनिवार को आरोपी हर्ष राय को गिरफ्तार कर लिया।

मध्य प्रदेश में चार हजार पदों पर हुई नियुक्ति, 7,400 पदों पर जल्द होगी

भोपाल। मध्य प्रदेश में रिक्त सरकारी पदों पर भर्ती की प्रक्रिया चल रही है। कर्मचारी चयन मंडल के माध्यम से 11 हजार 400 पदों पर कर्मचारियों का चयन किया गया है। चार हजार पदों पर नियुक्ति की जा चुकी है तो 7,400 पदों के लिए प्रक्रिया अंतिम चरण में है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पर्यवेक्षक पद पर चयनित 650 प्रतिभागियों को बधाई देते हुए कहा कि सभी रिक्त पदों को जल्द से जल्द भरा जाएगा।अब नियुक्ति की प्रक्रिया

प्रदेश में पिछले एक साल से एक लाख से अधिक रिक्त पदों पर भर्ती के लिए प्रक्रिया चल रही है। सभी विभागों द्वारा कर्मचारी चयन मंडल और राज्य लोक सेवा आयोग को प्रस्ताव भेजे जा चुके हैं। उधर, जिन पदों के लिए प्रक्रिया हो गई थी, अब उन पर नियुक्ति की जा रही है।दक्षता बढ़ाने की दिशा में काम

मुख्यमंत्री ने बताया कि मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग से चयनित 3,756 पदों पर पदस्थापना की जा चुकी है। विभिन्न रिक्त पदों पर भर्ती प्रक्रिया कर शासकीय कार्यालयों में क्षमता एवं दक्षता बढ़ाने की दिशा में तेजी से काम किया जा रहा है। साथ ही कर्मचारियों और अधिकारियों की लंबे समय से चली आ रही मांगों का निराकरण भी किया जा रहा है।

इधर... किस पेंशन योजना में रहना चाहते हैं अधिकारी, तीन माह में करना होगा तयअखिल भारतीय सेवा के अधिकारी किस पेंशन योजना में रहना चाहते हैं, यह उन्हें तीन माह के भीतर तय करना होगा। सामान्य प्रशासन विभाग ने सभी विभागाध्यक्षों, कलेक्टरों और कमिश्नरों को निर्देश दिए हैं कि एक अप्रैल 2025 तक राष्ट्रीय पेंशन योजना में शामिल अधिकारियों को एकीकृत पेंशन योजना के विकल्प की सुविधा दी गई है।

यदि वे नई पेंशन योजना में आना चाहते हैं तो उन्हें तीन माह के भीतर निर्णय लेना होगा। सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव कार्मिक एम सेलवेंद्रम ने बताया कि भारत सरकार ने केंद्रीय कर्मचारियों के लिए एक अप्रैल 2025 से एकीकृत पेंशन योजना लागू की है। राष्ट्रीय पेंशन योजना के अंतर्गत आने वाले केंद्रीय कर्मचारियों-अधिकारियों या एक अप्रैल 2025 के बाद कार्यभार ग्रहण करने वाले एकीकृत पेंशन योजना का विकल्प चुनने के लिए पात्र हैं।

इन्हें तीन माह के भीतर विकल्प चुनना होगा। एक बार विकल्प चुनने के बाद परिवर्तन नहीं होगा। विभाग ने सभी जिला आहरण एवं संवितरण अधिकारियों से कहा गया है कि वे अखिल भारतीय सेवा के अधिकारियों से समय सीमा के भीतर विकल्प चयन सुनिश्चित करें।

हाई कोर्ट में नौकरी दिलाने के नाम पर पिता-पुत्र की जोड़ी ने ऐंठे लाखों, ऐसे पता चली सच्चाई

जबलपुर। हाई कोर्ट में नौकरी लगवाने के नाम पर पिता-पुत्र ने अपने ही परिचित एक युवक को ठग लिया। उसके भाई एवं बहन को सरकारी नौकरी दिलाने का झांसा देकर साढ़े आठ लाख रुपये ऐंठ लिया। ग्वारीघाट के दुर्गा नगर निवासी विनोद कुमार सेन एक हेयर कटिंग सेलून में काम करता था, जहां पर उड़िया मोहल्ला निवासी हिमांशु यादव हेयर कटिंग कराने आता था।बातों-बातों में एक दिन विनोद ने हिमांशु से कहा कि उसके भाई बेरोजगार हैं और नौकरी ढूंढ रहे हैं। इस पर हिमांशु ने बताया कि उसके पिता नीलचंद यादव ठेकेदारी करते है। उनकी हाई कोर्ट और जिला कोर्ट में अधिकारियों से पहचान है। यदि वह चाहे, तो उसके भाईयों की नौकरी लगवा सकते हैं।

तब हिमांशु के साथ विनोद उसके पिता नीलचंद यादव से मिलने पहुंचा। नीलचंद ने रुपये देने पर नौकरी लगवाने की बात कही। इस पर विनोद ने अपने दो भाई और एक बहन की नौकरी लगवाने की बात की। इसके बाद साढ़े आठ लाख रुपये दे दिए। लेकिन रुपये ऐंठने के बाद नीलचंद और उसके पुत्र हिमांशु का व्यवहार बदल गया। नौकरी को लेकर वह गोलमोल जवाब देने लगे।

महंगाई में लाल हुआ टमाटर, दाम में आया बड़ा उछाल, इतनी पहुंच गई कीमत

जबलपुर- भीषण गर्मी में पांच से 10 रुपये प्रति किलो में बिकने वाला टमाटर अब 30 से 40 रुपये फुटकर भाव के साथ इतरा रहा है। मानसून की दस्तक के साथ महज एक सप्ताह में भाव में 20-30 रुपये का उछाल दर्ज किया गया है। स्थानीय मंडी के थोक कारोबारियों के अनुसार बरेला व सिहोरा से आने वाला लोकल टमाटर बारिश के बीच खराब हो गया है और बाजार तक पहुंचते हुए खराब हो रहा है। लोकल टमाटर की आवक 5 प्रतिशत रह गई है, जिसके कारण लोकल माल मंडी से गायब होने के कारण जबलपुर में बेंगलुरू के टमाटर की पूछपरख बढ़ गई है। अभी मंडी पहुंचते-पहुंचते बेंगलुरू के टमाटर के थोक भाव 25 रुपये के पास खुल रहे हैं।

वहीं फुटकर बाजार में इसकी कीमत 30 से 40 के बीच बनी हुई है। माना जा रहा है कि टमाटर की कीमत में अभी और उछाल आएगा। पिछले साल इन दिनों में टमाटर के

भाव 40 रुपये के ऊपर पहुंच गए थे। बेंगलुरू से टमाटर की बड़ी खेप के रूप में अभी दैनिक 8 से 10 ट्रक आ रहे हैं, जबकि बिलासपुर व उत्तर प्रदेश के माल की पूछपरख नगण्य है। इस बीच स्थानीय बाजार में सब्जी के भाव में मंदी का रुख है। साथ ही खाद्य तेल के भाव भी नीचे बने हुए है। सोयाबीन तेल जो पिछले सप्ताह तक 2200 से 2300 के आसपास बना हुआ था। उसमें लगातार गिरावट के बाद भाव प्रति 15 किग्रा 2100 के आसपास बने हुए हैं।40 के ऊपर पहुंचने की संभावना

लोकल बाजार में बेंगलुरू का टमाटर अभी 40 रुपये तक बिक रहा है। इस बार जुलाई-अगस्त तक लोकल बाजार में मांग की पूर्ति बेंगलुरू के टमाटर की जाएगी। थोक व फुटकर व्यापारियों की मानें तो आने वाले दिनों में टमाटर के भाव में 10 रुपये तक और तेजी आने की संभावना है। हालांकि यह मांग और आपूर्ति पर काफी कुछ निर्भर करता है।

राजस्व प्रकरणों के शीघ्र और गुणवत्तापूर्ण निराकरण के लिए कलेक्टर आशीष सिंह की सख्त चेतावनी

इंदौर। इंदौर जिले में लंबित राजस्व प्रकरणों के शीघ्र, पारदर्शी एवं संतोषजनक निराकरण के लिए जिला प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे राजस्व महा अभियान की समीक्षा बैठक शनिवार को कलेक्टर श्री आशीष सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में जिले के समस्त राजस्व अधिकारी उपस्थित रहे। इस दौरान अपर कलेक्टर श्री गौरव बेनल, श्री रिंकेश वैश्य, श्री रोशन राय, श्री राजेन्द्र सिंह रघुवंशी भी मौजूद थे। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि वे राजस्व प्रकरणों का गुणवत्तापूर्ण, समयबद्ध एवं संवेदनशीलता के साथ निराकरण सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि आमजन का प्रशासन पर विश्वास कायम रखने के लिए आवश्यक है कि उनके आवेदन एवं शिकायतों का निपटारा तय समय-सीमा में हो और उस पर आवेदक को संतोषजनक समाधान मिले।

राजस्व न्यायालयों में नियमित उपस्थिति- सभी राजस्व अधिकारी प्रतिदिन नियत समय पर अपने-अपने न्यायालयों में उपस्थित रहें। कोई भी अधिकारी न्यायालयीन कार्य से अनुपस्थित नहीं पाए जाना चाहिए।

लंबित प्रकरणों की त्वरित सुनवाई- जिले में 31 मई 2025 तक की अवधि के सभी लंबित राजस्व प्रकरणों को 15 जुलाई 2025 तक हर हाल में निराकृत कर लिया जाए। इसके बाद यदि कोई भी प्रकरण लंबित पाया गया, तो संबंधित अधिकारी के विरुद्ध तत्काल कार्रवाई होगी।

कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई- श्री सिंह ने दो स्पष्ट शब्दों में कहा कि यदि कोई अधिकारी लापरवाही करता पाया गया, तो उसके विरुद्ध विभागीय जांच, निलंबन अथवा अन्य प्रशासनिक दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

आत्मावलोकन और जवाबदेही की भावना- कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने कहा कि सभी अधिकारियों को आत्ममूल्यांकन करते हुए यह देखना होगा कि आखिरकार आवेदकों के कार्य समय पर पूरे क्यों नहीं हो रहे हैं। कार्यशैली में आवश्यक सुधार लाकर जनता के प्रति जवाबदेही प्रदर्शित की जाए।

राजस्व न्यायालयों में अधिकारियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए अब-द्ध आधारित कैमरा निगरानी प्रणाली लागू की जा रही है, जिससे उपस्थिति की वास्तविक समय पर निगरानी संभव हो सकेगी। अपर कलेक्टर भी लगातार निगरानी करेंगे।

इस अभियान की खास बात यह है कि यदि किसी आवेदक का प्रकरण 15 जुलाई 2025 तक लंबित रह जाता है और वह इसकी सूचना देता है, तो उसे 5 हजार रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा। यह राशि उस प्रकरण से जुड़े संबंधित अधिकारी के वेतन से वसूली जाएगी। दूसरी ओर, जो अधिकारी गुणवत्तापूर्ण एवं समय पर कार्य करेंगे, उन्हें प्रशस्ति पत्र,पुरस्कार दिए जाएंगे।

अवैध उत्खनन पर बड़ी कार्रवाई

इंदौर। इंदौर जिले में कलेक्टर श्री आशीष सिंह के निर्देशन में खनिज माफियाओं के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जा रही है। इसी सिलसिले में एक बड़ी कार्रवाई करते हुए अपर कलेक्टर न्यायालय द्वारा एक आदेश पारित कर डॉ. अंबेडकर नगर महू तहसील क्षेत्र के मैसर्स बालाजी स्टोन क्रेशर और अर्थ मूवर्स तर्फे भागीदार योगेश पाटीदार पिता राम गोपाल पाटीदार के विरुद्ध खनिज का अवैध उत्खनन प्रमाणित होने पर 16 करोड 64 लाख रुपए से अधिक का अर्थदण्ड अधिरोपित किया गया है। बताया गया है कि अनावेदक द्वारा ग्राम आंबाचन्दन में स्वीकृत उत्खनि पट्टा क्षेत्र पर स्वीकृत खनिज पत्थर (गिट्टी) की अपेक्षा अस्वीकृत खनिज मूरम का उत्खनन कार्य किया गया है। उत्खनन कार्य बिना वैध प्राधिकार के तथा स्वीकृत आदेशानुसार व नियमानुसार खनिज परिवहन हेतु निर्धारित अभिवहन पासों के बिना खनिज परिवहन का कार्य किया गया है। यह भी स्पष्ट पाया गया कि है कि अनावेदक अपने पक्ष में उक्त स्वीकृत उत्खनि पट्टा के संबंध में कार्य प्रारंभ किए जाने के पूर्व जिला स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण (डिया) अथवा राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण (सिया) मध्यप्रदेश भोपाल से उत्खनन कार्य के संबंध में आवश्यक पर्यावरणीय सम्मति प्रस्तुत करने में असफल रहा। अनावेदक मेसर्स बालाजी स्टोन क्रेशर एंड अर्थ मूवर्स तर्फे भागीदार योगेश पाटीदार पिता रामगोपाल पाटीदार द्वारा बिना पर्यावरण अनुमति के खनिज मुरम के उत्खनन करने का कार्य किया गया है।

प्रीवेंटिव हेल्थ केयर शिविर में 765 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया

इंदौर। संभागायुक्त श्री दीपक सिंह की पहल पर गेरसंचारी रोगों की रोकथाम के लिये स्वास्थ्य विभाग और अरविंदो मेडिकल कॉलेज द्वारा विद्या धाम मंदिर एरोड्रम रोड़ पर प्रीवेंटिव हेल्थ केयर शिविर का आयोजन किया गया। इस स्वास्थ्य जांच शिविर में कुल 765 लोगों का पंजीयन किया गया। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा विस्तृत स्वास्थ्य परीक्षण किए गए। प्रीवेंटिव हेल्थ केयर शिविर में कैंसर, टीबी, हड्डी, हार्ट, लीवर एवं गठिया रोग, दंत रोग एवं नेत्र रोगों आदि से जुड़ी लगभग 2300 से अधिक जाँचें की गईं। इनमें मुख्य रूप से 127 ईसीजी, 133 फाइब्रोस्कैन, 467 एचबी, 46 आरबीएस, 293 एसजीपीटी, 293 एसजीओटी, 293 लिपिड प्रोफाइल, 163 ईको, 143 यूएसजी, 49 मैमोग्राफी, 237 जनरल मेडिसिन, 176 कार्डियोलॉजी, 155 गैस्ट्रोलॉजी, 182 गायनेकोलॉजी, 56 रूमेटोलॉजी, 73 कैंसर स्क्रीनिंग, 138 डेंटल चेकअप, 233 आंखों की जांच आदि जाँचें विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं। संभागायुक्त श्री दीपक सिंह ने बताया कि नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुरक्षा उपलब्ध कराने और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने की दिशा में यह आयोजन किया जा रहा है।

11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर पहली बार ऐतिहासिक इमारत राजवाड़ा में सामूहिक योग का कार्यक्रम आयोजित किया गया

केन्द्रीय मंत्री श्री सिंधिया, मंत्री श्री विजयवर्गीय सहित स्कूल कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने किया योग

इंदौर। 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर एतिहासिक इमारत राजवाड़ा में सामूहिक योग का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केन्द्रीय संचार मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया तथा नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय थे। कार्यक्रम में सांसद श्री शंकर लालवानी, रमेश मेंदोला, श्री गोलू शुक्ला, पद्मश्री जनक पलटा, विशेष रूप से उपस्थित थे। इस बार योग दिवस की थीम एक पृथ्वी- एक स्वास्थ्य के लिये योग था। कार्यक्रम का उद्देश्य स्वास्थ्य जीवन शैली के साथ पर्यटन को बढ़ावा देना था।

कार्यक्रम में केन्द्रीय मंत्री श्री सिंधिया ने माँ अहिल्या की नगरी और होल्कर राजवंश की भूमि को प्रणाम करते हुए कहा कि देवी अहिल्याबाई ने भारत के सांस्कृतिक वैभव को चारों दिशाओं में फैलाकर एक अद्भूत कार्य किया है। इससे भारत का वैभव और बड़ा है। आज के आयोजन से इंदौर का नाम राष्ट्रीय पटल पर एक और उभरकर सामने आया है। इंदौर ने देश में अपनी एक वैशिष्ट पहचान बनाई है।

इंदौर में मूंग खरीदी को लेकर व्यापक तैयारियाँ- कलेक्टर आशीष सिंह ने ली समीक्षा बैठक

इंदौर। इंदौर जिले में न्यूनतम समर्थन मूल्य पर मूंग खरीदी की तैयारियों को लेकर प्रशासन पूरी तरह सक्रिय है। इसी क्रम में आज कलेक्टर श्री आशीष सिंह की अध्यक्षता में जिला प्रशासन, कृषि उपज मंडी के अधिकारी, किसान संगठनों के पदाधिकारी एवं व्यापारी प्रतिनिधियों की एक महत्वपूर्ण संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने मूंग खरीदी की प्रक्रिया को पारदर्शी, सुचारु और किसान हितैषी बनाने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। उन्होंने मंडियों में किसानों की सुविधा के लिए सभी व्यवस्थाएं समय रहते सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री सिंह ने स्पष्ट रूप से कहा कि खरीदी केंद्रों पर किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए मंडियों में बड़े तौल कांटे लगाए जाएं तथा तुलाई की प्रक्रिया में पारदर्शिता रखी जाए। उन्होंने मंडियों की स्वच्छता, जल व्यवस्था, जैसी मूलभूत सुविधाओं की गुणवत्ता पर भी विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

बैठक में छावनी कृषि उपज मंडी को स्थानांतरित किए जाने की प्रक्रिया पर भी चर्चा की गई। बताया गया कि मंडी को एक अधिक सुलभ और उपयुक्त स्थान पर स्थानांतरित करने की प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ रही है। इससे व्यापारियों और किसानों को आने-जाने में सुविधा होगी तथा खरीदी कार्य में गति आएगी। किसान संगठनों एवं व्यापारी प्रतिनिधियों द्वारा मंडी संचालन से जुड़ी समस्याएं भी बैठक में रखी गईं, जिनका मौके पर ही समाधान किया गया। बैठक में अपर कलेक्टर श्री गौरव बैनल, श्री रिंकेश वैश्य भी मौजूद थे।

एकात्म धाम में सीआरपीएफ के जवानों सहित बड़ी संख्या में नागरिकों ने किया योग

इंदौर। ग्यारहवें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर एकात्मता के वैश्विक केंद्र के रूप में आकार ले रहा एकात्म धाम। ओंकारेश्वर में आचार्य शंकर की दिव्य सन्निधि में पहली बार 108 फीट ऊँची 'एकात्मता की प्रतिमा' (स्टैचू ऑफ़ वननेस) पर सामूहिक योग का आयोजन हुआ। इस आयोजन में ओंकारेश्वर के स्थानीय नागरिकों के साथ-साथ केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, बड़वाह बटालियन (सीआईएसएफ) के जवानों ने भी सहभागिता की।

ज्ञात हो कि प्रत्येक वर्ष योग दिवस विभिन्न थीम के साथ मनाया जाता है। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2025 की थीम है 'योगा फॉर वन अर्थ, वन हेल्थ' अर्थात स्वयं के साथ-साथ समाज को भी स्वस्थ बनाना।

आचार्य शंकर ने योग और वेदांत को समन्वित भाव से अपने भाष्य एवं प्रकरण ग्रंथों में प्रस्तुत किया है। हमारे ऋषियों ने योग को परिभाषित करते हुए कहा है- 'युज्यते एतद् इति योगः', अर्थात जो जोड़ता है, वही योग है। इसलिए योग का यह प्रसार उस विचार का विस्तार है, जो पूरे संसार को एक परिवार के रूप में समाहित करता है। योग के विस्तार का अर्थ है 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भावना का विस्तार। एकात्म धाम भी एकात्मता के संदेश को जन-जन तक प्रसारित करने के लिए संकल्पित है।

आचार्य शंकर ने पतंजलि के अष्टांग योग को अद्वैत दृष्टिकोण से व्याख्यायित किया और योग निद्रा को निर्विकल्प समाधि से जोड़ा, जो मन की समस्त गतिविधियों से परे, सर्वोच्च समाधि है। उन्होंने 'योग तारावली' नामक ग्रंथ में वास्तविकता की प्रकृति और आत्म-साक्षात्कार के साधन के रूप में योग के अभ्यास की खोज की। आचार्य शंकर के अनुसार, योग का अंतिम लक्ष्य अद्वैत वेदांत के माध्यम से स्वयं और ब्रह्म की एकता का अनुभव करना है।

कार्यक्रम में मछुआरा कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष सीताराम बाथम, आचार्य शंकर न्यास, सीआईएसएस के अधिकारी सहित बड़ी संख्या में योग प्रेमी सम्मिलित हुए।

महालक्ष्मी नगर में भव्य सामूहिक योग, सैकड़ों ने लिया स्वास्थ्य का संकल्प

सर्व ब्राह्मण युवा संगठन ने किया योग गुरु रमेश पाटिल का सम्मान

इंदौर। ग्यारहवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर आज हरिओम योगपीठ द्वारा एमआर 4 महालक्ष्मी नगर बड़ा गार्डन में आयोजित सामूहिक योग कार्यक्रम में योग गुरु रमेश पाटिल तथा योग शिक्षिका रेणु जैन द्वारा द्वारा निपानिया, पिपलियाकुमार क्षेत्र के रहवासियों को सामूहिक योगाभ्यास कराया गया। कार्यक्रम में महालक्ष्मी नगर, एमआर-3, एमआर-4, एमआर-5, साईकृपा कॉलोनी, तुलसी नगर सहित आसपास की कॉलोनियों के रहवासियों ने योग गुरु रमेश पाटिल के निर्देशन में विभिन्न योगासनों का अभ्यास किया। कई योग साधकों और साधिकाओं ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि योग गुरु पाटिल के मार्गदर्शन में योग और प्राणायाम के नियमित अभ्यास से उन्होंने छोटी-बड़ी स्वास्थ्य समस्याओं पर काबू पाया और अपने जीवन को बेहतर बनाया। विशेष स्वास्थ्य उपलब्धियां हासिल करने वाले योग साधकों को सम्मानित भी किया गया।

योग के साथ संतुलित आहार पर जोर- वरिष्ठ योग गुरु हरिनारायण नामदेव ने अपने संबोधन में योग के साथ-साथ संतुलित आहार के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, योग के साथ उचित खान-पान का ध्यान रखना जरूरी है। बिना संतुलित आहार के योग का पूर्ण लाभ नहीं मिल सकता। उनके इस संदेश ने उपस्थित लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया।

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृगधरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

11 जुलाई से शुरू होगा सावन, 14 जुलाई को निकलेगी महाकाल की पहली सवारी

उज्जैन। इस बार सावन मास 11 जुलाई से प्रारंभ हो रहा है। श्रावण-भादौ मास में भगवान महाकाल की कुल छह सवारियां इस वर्ष निकलेंगी। पहली सवारी 14 जुलाई को और अंतिम राजसी सवारी 18 अगस्त को निकाली जाएगी। सवारी में इस बार लाखों लोगों के आने का अनुमान है।

महाकाल मंदिर के पुजरी पं. आशीष गुरु ने बताया कि सावन का महीना आगामी 11 जुलाई से आरंभ हो जाएगा। इस दौरान भगवान महाकालेश्वर की सावन और भादौ मास में 6 सवारियां निकलेगी। इनमें से सावन माह में 4 और भादौ मास में 2 सवारियां निकलेंगी।

सवारियों का क्रम इस प्रकार रहेगा। पहली सवारी 14 जुलाई, दूसरी सवारी 21 जुलाई, तीसरी सवारी 28 जुलाई और चौंथी सवारी 4 अगस्त, पांचवी सवारी 11 अगस्त तथा अंतिम शाही सवारी 18 अगस्त को निकलेगी। प्रत्येक सोमवार को शाम 4 बजे सवारी पूजन के बाद मंदिर परिसर से सवारी रवाना होगी और परंपरागत मार्ग से गुजरेगी। उन्होंने बताया कि श्रावण माह को भगवान शिव का प्रिय मास माना जाता है। इस दौरान देशभर से लाखों श्रद्धालु महाकाल के दर्शन के लिए पहुंचते हैं।

श्रद्धालु सोमवार को महाकाल के नगर भ्रमण के दौरान विशेष दर्शन करते हैं। भगवान महाकाल की सवारी मंदिर से शुरू होकर पारंपरिक मार्ग से निकलेगी। इस वर्ष नागपंचमी का पर्व 29 जुलाई मंगलवार को मनाया जाएगा। इस बीच श्रावण महोत्सव की तैयारियां शुरु हो गई है।

महाकालेश्वर मंदिर में सावन-भादौ महीने में श्रावण महोत्सव आयोजित किया जाता है। मंदिर समिति ने इस वर्ष महोत्सव के लिए 27 मार्च से 15 अप्रैल तक आवेदन आमंत्रित किए थे। गायन, वादन और नृत्य की शास्त्रीय विधाओं के लिए देश भर से 250 से अधिक कलाकारों ने आवेदन किए हैं। इस बार श्रावण और भाद्रपद माह में कुल 6 सोमवार हैं। प्रत्येक दिन तीन प्रस्तुतियां होंगी, इस तरह कुल 18 प्रस्तुति विभिन्न कलाकारों द्वारा दी जायेगी।

श्री लक्ष्मी नृसिंह मंदिर, माहेश्वरी भवन छोटा सराफा में लगा रक्तदान शिविर

उज्जैन। श्री माहेश्वरी समाज युवा संगठन, श्री लक्ष्मी नृसिंह मंदिर, छोटा सराफा द्वारा रक्तवाहिनी रक्तयोद्धा सेवा संस्था, लायॅन क्लब उज्जैन महाकाल एवं आरडी गार्डी हॉस्पिटल ब्लड बैंक के साथ मिलकर रक्तदान शिविर का आयोजन श्री लक्ष्मी नृसिंह मंदिर, माहेश्वरी भवन छोटा सराफा पर रविवार सुबह 10 से 2 बजे तक किया गया।

शिविर में करीब 35 यूनिट रक्तदान किया गया। इस अवसर पर समाज की महिलाओं के द्वारा भी रक्तदान कर समाज मे जागरुकता फैलाई एवं समाज की अन्य महिलाओं को भी रक्तदान करने हेतु प्रेरित किया। इस अवसर पर मालवांचल म.प्र माहेश्वरी सभा सयुंक्त सचिव ओमप्रकाश काबरा, श्री माहेश्वरी समाज के कोषाध्यक्ष एवं मालवांचल म.प्र माहेश्वरी सभा के सदस्य गिरीश भट्टड़, महेश चांडक, माहेश्वरी समाज सदस्य मंगल प्रसाद भट्टड़, सत्यनारायण मूंदड़ा, रवि भंडारी, उज्जैन जिला माहेश्वरी युवा संगठन अध्यक्ष प्रखर काकाणी, माहेश्वरी समाज युवा संगठन के अध्यक्ष अंकुश धुत, उपाध्यक्ष अंकित जाजू, महेश झंवर, सचिव विजय जाजू, दीपक झंवर, संदीप माहेश्वरी, गौरव सारड़ा, केशव सोमानी, श्रीकांत माहेश्वरी, गोपाल लढा, लखन झंवर, शुभम झंवर, सचिन, प्रांजल, पुलकित, नमीश, रक्तवाहिनी रक्तयोद्धा सेवा संस्था अध्यक्ष यतिश जाट आदि उपस्थित रहे। हमे पूर्ण विश्वास है कि आप स्वेच्छा व स्वानुभव द्वारा रक्तदान की भावना का प्रचार-प्रसार कर महान कार्य करने का प्रण लेंगे एवं तीन महीने के अन्तराल के बाद जरूरत पड़ने पर फिर रक्तदान करेंगे।

एक शाम धर्म और संस्कार के नाम

उज्जैन। धर्म, संस्कृति एवं नारीशक्ति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से गूंज द्वारा आयोजित 'एक शाम धर्म और संस्कार के नाम' में 15 संस्थाओं द्वारा नारी शक्ति, सिंदूर के साथ विश्व संगीत दिवस एवं योग दिवस पर आधारित प्रस्तुतियां दी। निर्देशक खुशी राजेश लश्करी के अनुसार आगमन, सावन का आमद सीजन 2 के पहले दिन स्वर्ण जयंती ऑडिटोरियम विक्रम विश्वविद्यालय कोठी रोड पर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में अतिथि के रूप में कुलगुरू अर्पण भारद्वाज आदि।

इंडियन डेंटल एसोसिएशन उज्जैन द्वारा डेंटल इंप्लांट पर व्याख्यान का आयोजन

उज्जैन। इंडियन डेंटल एसोसिएशन (आई.डी.ए.) की उज्जैन शाखा द्वारा डेंटल इंप्लांट विषय पर एक शैक्षणिक व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता डॉ. प्रज्ञा पांडे ने डेंटल इंप्लांट की नवीनतम तकनीकों पर विस्तार से चर्चा की और उपस्थित चिकित्सकों को अद्यतन जानकारी प्रदान की।

अपने व्याख्यान में डॉ. पांडे ने बताया कि आधुनिक डेंटल इंप्लांट तकनीक उन मरीजों के लिए एक स्थायी समाधान प्रदान करती है, जिन्होंने किसी कारणवश अपने प्राकृतिक दांत खो दिए हैं। उन्होंने इंप्लांट की प्रक्रिया, सामग्री और दीर्घकालिक सफलता दर पर भी प्रकाश डाला।

कार्यक्रम के आरंभ में आई.डी.ए. उज्जैन के अध्यक्ष डॉ. इमित पाल सलूजा ने बताया कि डेंटल इंप्लांट आज के समय में एक सुरक्षित, प्रभावी और स्थायी विकल्प के रूप में व्यापक रूप से अपनाया जा रहा है। ऐसे कार्यक्रमों से चिकित्सकों को नई तकनीकों की जानकारी मिलती है, जिससे वे अपने मरीजों को बेहतर सेवाएं दे सकें। इस अवसर पर शहर के अनेक प्रतिष्ठित दंत चिकित्सकों की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिनमें डॉ. नितिन जैन, डॉ. अंकित बाबर, डॉ. नमीता अग्रवाल, डॉ. निशिता सिलवाडिया, डॉ. प्रीति सिंह, डॉ. शुभा अरोरा, डॉ. तन्वी तिवारी, डॉ. आदित्यवर्धन पाटीदार एवं डॉ. अनिमेष पंडित प्रमुख रूप से शामिल थे। कार्यक्रम का समन्वय एवं संपूर्ण जानकारी का संचालन डॉ. आदित्य सिंह गौड़ द्वारा किया गया।

चरक वाटिका का निर्माण, बारिश की बूंदा बांदी के साथ हुआ पौधारोपण

उज्जैन। वृक्षमित्र सेवा समिति के सतत प्राणवायु अभियान के तहत रविवार को विक्रम विश्वविद्यालय में मध्यप्रदेश चिकित्सा अधिकारी संघ उज्जैन इकाई के सौजन्य से चरक वाटिका का निर्माण किया गया।

समिति अध्यक्ष अजय भातखंडे ने बताया कि नवनिर्मित वाटिका में औषधीय उपयोग के पौधे जैसे आंवला, जामुन, बहेड़ा, गुड़हल, पारिजात, गुगल इत्यादि का रोपण किया गया।

इस अवसर पर श्री जी पॉलिमर इंडिया लिमिटेड उज्जैन सीएसआर फंड के सौजन्य से बोरिंग और पंप का लोकार्पण किया गया। वृक्षमित्र अतिथि भाजपा नगर अध्यक्ष संजय अग्रवाल, बांगड़ ग्रुप के मुख्य प्रबंधक विष्णु जाजू, म.प्र. चिकित्सा अधिकारी संघ उज्जैन इकाई के अध्यक्ष डॉ. अनिल भार्गव, सिविल सर्जन डॉ. संगीता पलसानिया थे। अतिथियों को संस्था सचिव प्रवीण साठे ने पिन लगाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर संबोधित करते हुए संजय अग्रवाल ने बताया कि एक पेड़ माँ के नाम की सार्थकता तभी है जब हम लगाए पौधे की निरन्तर देखभाल करे। आपने समिति के पर्यावरण को बचाने कार्यों की प्रशंसा की। विष्णु जाजू के करकमलों से बोरिंग और पंप का लोकार्पण किया गया। आपने बांगड़ समूह की तरफ से पर्यावरण संरक्षण के लिए सतत सहयोग का आश्वासन दिया। डॉ. अनिल भार्गव ने कहा कि वृक्षमित्र के साथ मिलकर पौधरोपण करना यह आश्वासन है कि पौधे वृक्ष बनेंगे। इस अवसर पर चरक हॉस्पिटल के डॉ. अनिल दुबे, डॉ. पुरोहित, डॉ. भोजराज शर्मा, डॉ. पुरोहित, डॉ. चिन्मय चिंचोलीकर, डॉ. गोमे, डॉ. मरमट, डॉ. राम अरोरा, अजय तटवाडे, मिलिंद लेले, अमिताभ पंडित, प्रवीण बहुलकर, श्रीकांत जोशी, हेमंत जोशी, गिरीश जैन सहित बड़ी संख्या में पर्यावरण प्रेमी उपस्थित थे।

रजत कलशों में पवित्र नदियों के जल से किया साईं बाबा का जलाभिषेक

उज्जैन। प्रतिवर्षानुषार इस वर्ष भी अलखधाम नगर स्थित साई मंदिर में साई बाबा का ज्येष्ठाभिषेक रविवार 22 जून को किया गया। जिसमें साईं बाबा को रजत कलशों द्वारा विभिन्न नदियों के जल से स्नान कराया गया तत्पश्चात पंचामृत अभिषेक तथा 251 किलो आम के रस से ज्येष्ठाभिषेक हुआ।

साईं मंदिर के ट्रस्टी ओम बंसल एवं अनुप सिंघल ने बताया कि हापुस, बादाम, केसर, सिंदर, लंगड़ा आम सहित विभिन्न प्रकार के 251 किलो आम के रस से साईं बाबा का अभिषेक किया गया। आयोजन में प्रमुख रूप से साईं समिति अध्यक्ष रमेश परवाल, प्रेमसिंह यादव, राजकुमार सेठ, भरत पोरवाल, दीपक बेलानी, अनिल राजपूत, पियूष मालवीय, सुरेंद्र मालवीय, हेमेंद्र खंडेलवाल, संजय सोडानी सहित बड़ी संख्या में साईं भक्त मौजूद रहे।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com